सांध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

" स्वभाव की मधुरता जिंदगी के लिए सबसे बड़ा विटामिन है...!"

अज्ञात...

वर्ष-01 अंक-88 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, शनिवार 18 अप्रैल 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2 रुपए

गंभीर मुद्दों पर भी प्रशासन नींद में, अफीम खेती का मामला ठंडा बस्ते में : मुकेश चंद्राकर

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

डेढ़ वर्ष बाद भी पार्षद रहित वार्डों में चुनाव नहीं, निजी स्कूलों में काफी किताब बेचने का मामला, कोई गंभीर नहीं

भिलाई शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर ने शासन प्रशासन में बैठे जनप्रतिनिधि/ अधिकारियों पर गैर जिम्मेदार होने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सब कुछ जानते हुए भी यह जनप्रतिनिधि और अधिकारी आंखें मूंदे बैठे रहते हैं और समय पर कोई भी काम नहीं करते। श्री चंद्राकर ने कहा कि हाल ही में कई ऐसे मुद्दे लोगों के सामने आए जिनसे आमजन प्रभावित होता है। लेकिन इन मुद्दों की ओर देखने का समय भी प्रशासनिक अधिकारियों के पास नहीं है।

भिलाई नगर निगम के 1 वार्ड और रिसाली नगर निगम 02वार्ड में पिछले डेढ़ वषी से खाली पड़े वाडी का जिक्र करते हुए श्री चंद्राकर ने बताया कि कांग्रेस की ओर से कई बार जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों का ध्यान इस और दिलाया गया, लेकिन कोई पहल नहीं हुई। ऐसी जानकारी मिली है कि अब इन रिक्त पड़े वार्डों में चुनाव की तैयारी की जा रही है जबकि दोनों नगर निगमों के स्थानीय सरकार के कायर्काल खत्म होने में अब सिर्फ 7 माह बचे हैं। संभावना है कि नवंबर माह में दोनों निगमों में चुनाव संपन्न किए जाएं। पार्षदरहित इन वाडी के लोग पिछले डेढ़ वर्ष से परेशान हैं क्योंकि इन वाडी में कोई काम नहीं हो रहा, नहीं कोई जवाबदेही लेने को तैयार है। क्या निर्वाचन आयोग की कोई जिम्मेदारी नहीं बनती ? यहां के कलेक्टर को क्या विधान की जानकारी नहीं है ? फिर यहां डेढ़ वर्ष तक चुनाव क्यों नहीं हुए ?

प्रदेश में हो रही अफीम की खेती का मामला उठाते हुए श्री चंद्राकर ने कहा कि दो-चार आरोपी बनाकर इस गंभीर मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। इस खेती के पीछे आखिर कौन लोग थे ?अभी तक किसी की जवाबदेही तय नहीं की गई है।आखिर शासन प्रशासन में बैठे जनप्रतिनिधि और अधिकारी इन मुद्दों पर एक्शन क्यों नहीं लेते ? दुर्ग जिले में भारी मात्रा में खपने वाली शराब और गांजा का जिक्र करते हुए श्री चंद्राकर ने कहा कि आखिर इतनी मात्रा में गांजा, शराब पहुंच कैसे जाती है। अधिकारियों की नजर में यह क्यों नहीं आता। जब यह गांजा और शराब अपने ठिकाने पर पहुंच जाते हैं तो पुलिस छापा मारती है और वाहवाही लूटती है।

कानून व्यवस्था कमजोर हुई

श्री चंद्राकर का कहना है कि कानून व्यवस्था भी कमजोर हुई है। अपराधों में तेजी आई है, चोरी हत्या लूट के मामले बढ़े हैं। घटना होने के बाद पुलिस को इसकी जानकारी होती है। पुलिस का मुखबिर तंत्र पूरी तरह फेल हो चुका है इनके मुखबिर कहां गए पता नहीं, क्योंकि अपराध होने के बाद ही पुलिस जागती है। वहीं दूसरी और पुलिस हर चौक चौराहों पर चालान के नाम पर वसूली करते दिखती है।

घटिया साड़ी वितरण से पहले जांच क्यों नहीं ?

श्री चंद्राकर ने कहा कि हाल ही में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को घटिया गुणवत्ता वाली साड़ी का वितरण किया गया। वितरण से पहले जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने इसकी जांच क्यों नहीं? अब जब मामला सामने आया है तो वह अपना पल्ला झाड़ कर किसी और को बलि का बकरा बना रहे हैं। श्री चंद्राकर ने निजी स्कूलों में काफी किताब बेचने और स्वामी आत्मानंद स्कूलों में 1500 रू शुल्क लिए जाने का जिक्र करते हुए कहा कि यह सारी जानकारी यहां के जनप्रतिनिधियों, कलेक्टर और संबंधित अधिकारियों को है। इसके बावजूद पूरा शासन प्रशासन सोया हुआ है और इनकी इस लापरवाही का नतीजा आम आदमी भुगत रहा है।

त्वरित टिप्पणी

'महिला आरक्षण—नियत की परीक्षा में फिर फेल राजनीति'

आलोक तिवारी

महिला आरक्षण विधेयक का लोकसभा में गिरना किसी को चौंकाने वाला घटनाक्रम नहीं है। यह भारतीय राजनीति की वही पुरानी पटकथा है, जिसमें नारे बड़े होते हैं और नीयत छोटी। 1990 के दशक से लेकर आज तक, महिलाओं को 33 प्रतिशत प्रतिनिधित्व देने की बात बार-बार उठी, लेकिन हर बार राजनीतिक गणित ने सामाजिक न्याय को मात दे दी। असल सच्चाई यह है कि जब तक बात पंचायतों और नगर निकायों तक सीमित रही, तब तक किसी दल को आपत्ति नहीं हुई। क्योंकि वहाँ सत्ता का असली केंद्र प्रभावित नहीं होता। लेकिन जैसे ही लोकसभा और विधानसभा की सीटों पर आरक्षण की बात आती है, नेताओं की बेचैनी साफ दिखने लगती है। कुर्सी का गणित अचानक सामाजिक न्याय से ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाता है।

लोकसभा में यह बिल ऐसे समय लाया गया, जब संख्या बल ही सरकार के पास पर्याप्त नहीं था। सवाल उठना स्वाभाविक है—क्या यह विधेयक सच में महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए लाया गया था, या फिर राजनीतिक संदेश देने के लिए? विपक्ष ने इसे उसी नजरिए से देखा और विरोध भी उसी तीखेपन से किया।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आक्रामक रुख अपनाया, वहीं प्रियंका गांधी ने संयमित लेकिन प्रभावी तरीके से सरकार की मंशा पर सवाल उठाए। बिना नाम लिए उन्होंने सत्ता पक्ष की रणनीति पर जो कटाक्ष किया, उसने पूरे सदन का ध्यान खींचा। जवाब में अमित शाह ने भी पलटवार किया और बहस को व्यक्तिगत शैली तक ले गए। परिणाम वही हुआ, जो पहले से तय था—संख्या बल के अभाव में बिल गिर गया।

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे दुखद पहलू यह है कि महिलाओं का मुद्दा एक बार फिर राजनीतिक हथियार बनकर रह गया। सत्ता पक्ष अब विपक्ष को महिला विरोधी बताएगा, और विपक्ष सरकार की नीयत पर सवाल उठाएगा। लेकिन असली सवाल—क्या महिलाओं को 33% प्रतिनिधित्व मिलेगा—फिर से अनुत्तरित रह गया।

दिलचस्प यह भी है कि पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में ममता बनर्जी पहले ही अपनी पार्टी और सरकार में महिलाओं को उल्लेखनीय प्रतिनिधित्व दे चुकी हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति हो, तो बिना संवैधानिक बाधाओं के भी महिलाओं को आगे लाया जा सकता है। अब एक नया तर्क सामने आता है—जनगणना और परिसीमन के बाद ही आरक्षण लागू होगा। यह तर्क जितना तकनीकी लगता है, उतना ही सुविधाजनक भी। सवाल यह है कि क्या महिलाओं के अधिकारों को फिर से भविष्य की प्रक्रिया के भरोसे छोड़ देना न्यायसंगत है? अगर सभी दल वास्तव में प्रतिबद्ध हों, तो मौजूदा सीटों पर भी आरक्षण लागू किया जा सकता है।

सच्चाई यह है कि महिला आरक्षण आज भी राजनीतिक मसला ज्यादा है और सामाजिक संकल्प कम। जब तक दल अपने-अपने हितों से ऊपर उठकर ठोस निर्णय नहीं लेते, तब तक यह मुद्दा हर चुनाव में उठेगा और हर बार ठंडे बस्ते में चला जाएगा। वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य भी कम दिलचस्प नहीं है। केंद्र सरकार सहयोगी दलों के सहारे चल रही है, और ऐसे में हर बड़ा फैसला सहमति और संतुलन के बीच फंस जाता है। नरेंद्र मोदी के लिए आने वाला समय न केवल राजनीतिक, बल्कि नीतिगत चुनौतियों से भी भरा दिखाई देता है।

अंततः सवाल वही है—क्या महिला आरक्षण सच में देश की प्राथमिकता है, या फिर सिर्फ एक ऐसा मुद्दा, जिसे हर चुनाव में उठाकर फिर भुला दिया जाता है? जब तक इस सवाल का ईमानदार जवाब नहीं मिलता, तब तक महिला आरक्षण का सपना संसद के गलियारों में ही भटकता रहेगा।

गिरा महिला आरक्षण बिल : सियासत की बिसात पर उलझी 'नारी शक्ति'

विपक्ष ने मौका गंवाया, महिलाएं देख रही हैं राह का रोड़ा कौन : अमित शाह

सरकार का पलटवार : विपक्ष महिलाओं के रास्ते में रोड़ा

प्रधानमंत्री मोदी ने साफ कहा—जो इस बिल का विरोध करेगा, वह चुनाव हारेगा। सरकार का दावा है कि विपक्ष बहाने बनाकर महिला आरक्षण को रोक रहा है, जबकि वह 2029 से इसे लागू करना चाहती है। चौंकाने वाली बात यह रही कि NDA के 86 सांसद वोटिंग से गायब रहे। विपक्ष ने इसे सरकार के भीतर मतभेद बताया, जबकि सरकार ने चुनावी व्यस्तता का हवाला दिया।

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली

देश की आधी आबादी को राजनीतिक ताकत देने का दावा करने वाला बहुप्रतीक्षित महिला आरक्षण बिल आखिरकार लोकसभा में अटक गया। नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा पेश संविधान (131वां संशोधन) विधेयक 2026, जिसे नारी शक्ति वंदन अधिनियम लागू करने का रास्ता बताया जा रहा था, जरूरी दो-तिहाई बहुमत नहीं जुटा सका। 528 सांसदों की वोटिंग में सिर्फ 298 वोट समर्थन में पड़े, जबकि 352 का आंकड़ा जरूरी था—और इसी के साथ 54 वोट से बिल धराशायी हो गया। इस बिल में लोकसभा की सीटें 543 से बढ़ाकर 850 करने, उनमें 33% यानी करीब 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करने और इसे 2029 चुनाव से लागू करने का प्रस्ताव था। साथ ही परिसीमन को जनगणना से अलग करने की कोशिश ने राजनीतिक भूचाल ला दिया।

विपक्ष का वार : महिला नहीं, चुनावी नक्शा बदलने की चाल

राहुल गांधी ने सीधे हमला बोलते हुए कहा—यह महिला आरक्षण नहीं, देश का चुनावी नक्शा बदलने की साजिश है। दक्षिण भारत के नेताओं, खासकर एम. के. स्टालिन ने इसे दक्षिण के साथ अन्याय बताया। उनका आरोप है कि 2011 या भविष्य की जनगणना के आधार पर परिसीमन हुआ तो उत्तर भारत की सीटें बढ़ेंगी और दक्षिण की घटेंगी।

OBC सब-कोटा बना बड़ा मुद्दा

समाजवादी पार्टी और राजद समेत कई दलों ने 33% महिला आरक्षण के भीतर डइउ महिलाओं के लिए अलग कोटा की मांग उठाई। विपक्ष का तर्क है कि बिना सब-कोटा के इसका लाभ सीमित वर्ग तक सिमट जाएगा। वहीं गृह मंत्री अमित शाह ने इसे असंवैधानिक बताते हुए खारिज कर दिया।

बिल गिरते ही सरकार ने परिसीमन और UT संशोधन से जुड़े अन्य प्रस्ताव भी वापस ले लिए। हालांकि 2023 में पारित महिला आरक्षण कानून अभी भी अस्तित्व में है, लेकिन जनगणना और परिसीमन की शर्तों के कारण उसका लागू होना 2034 तक टल सकता है।

महिला आरक्षण पर सैद्धांतिक सहमति के बावजूद, राजनीति की बिसात पर यह मुद्दा उलझ गया है। सरकार जहां इसे ऐतिहासिक कदम बता रही है, वहीं विपक्ष पैकेज डील में छिपे राजनीतिक गणित पर सवाल उठा रहा है। फिलहाल, नारी शक्ति संसद की दहलीज पर ही ठहर गई है—और 2029 से पहले इसका भविष्य अब पूरी तरह सियासी रणनीति पर निर्भर करेगा।

प्रेम संबंध : विवाद के बाद युवती की गला दबाकर हत्या, आरोपी हिरासत में

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

पद्मनाभपुर थाना क्षेत्र में प्रेम संबंध का विवाद एक युवती की हत्या तक जा पहुंचा। पुलिस ने त्वरित कारर्वाई करते हुए आरोपी युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 17 अप्रैल 2026 को सूचना मिली कि एक युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। मौके पर पहुंची टीम ने जांच शुरू की, जिसमें चौंकाने वाला खुलासा हुआ।

जांच में सामने आया कि बालोद जिले के देंगरापार निवासी 27 वर्षीय कार्तिक राम साहू अपनी परिचित 26 वर्षीय युनेश्वरी वर्मा को पुलगांव स्थित उसके किराये के कमरे से सुभाष नगर, पद्मनाभपुर स्थित अपने कमरे में लेकर आया था।

संदेह ने लिया खतरनाक मोड़

दोनों के बीच प्रेम संबंध को लेकर पहले से विवाद चल रहा था। इसी दौरान संदेह और कहासुनी इतनी बढ़ गई कि आरोपी ने गुस्से में आकर युवती का गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल आरोपी की पहचान कर उसे हिरासत में ले लिया। प्रकरण में धारा 103(1) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर आगे की विवेचना जारी है।

साक्ष्य जुटाने में जुटी पुलिस

घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए गए हैं और पूरे घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ी जा रही हैं। पुलिस का कहना है कि जल्द ही मामले में विस्तृत खुलासा किया जाएगा। यह घटना एक बार फिर यह दिखाती है कि आपसी विवाद और अविश्वास किस तरह खतरनाक रूप ले सकता है, जिसका अंजाम एक निदीष जान की कीमत पर खत्म होता है।

रेलवे स्टेशन के सामने जुए का अड्डा ध्वस्त : 15 जुआरी रंगे हाथ गिरफ्तार, नगद व वाहन जब्त

भिलाई। शहर के बीचों-बीच चल रहे जुए के खेल पर पुलिस ने तगड़ा प्रहार किया है। थाना सुपेला क्षेत्र में भिलाई नगर रेलवे स्टेशन के सामने कोसनाला के पास दबिश देकर पुलिस ने 15 आरोपियों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है।

कार्रवाई के दौरान आरोपियों के कब्जे से 1 लाख 14 हजार रुपये नगद, 15 मोबाइल फोन और 5 दोपहिया वाहन जब्त किए गए। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम और बीएनएस की धारा 112(2) के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया है।

17 अप्रैल 2026 को पुलिस को सूचना मिली थी कि सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेला जा रहा है। सूचना मिलते ही टीम ने मौके पर घेराबंदी कर दबिश दी और 15 लोगों को जुआ खेलते हुए पकड़ लिया। बताया जा रहा है कि आरोपी अवैध लाभ कमाने के उद्देश्य से रेलवे स्टेशन जैसे व्यस्त इलाके के पास खुलेआम जुआ खेल रहे थे। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। जब्त सामग्री में नगद राशि 1,14,000 रुपये, 15 मोबाइल फोन, 5 दोपहिया वाहन, (कुल अनुमानित कीमत लगभग 4 .5 लाख रुपये) शामिल हैं। विभिन्न इलाकों से पकड़े गए आरोपी सुपेला, दुर्ग, भिलाई, रायपुर और आसपास के क्षेत्रों के रहने वाले हैं, जो नियमित रूप से यहां जुआ खेलने जुटते थे।

पुलिस ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक स्थानों पर इस तरह की अवैध गतिविधियों को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। लगातार निगरानी रखी जा रही है और आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन ने निभाई सामाजिक जिम्मेदारी, विवाह में किया आर्थिक सहयोग

इंद्रजीत सिंह के मार्गदर्शन में 25 हजार की सहायता, समाजसेवा की मिसाल कायम

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई ट्रक ट्रेलर ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन ने एक बार फिर अपनी सामाजिक जिम्मेदारी का परिचय देते हुए जरूरतमंद परिवार की मदद की है। एसोसिएशन के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह के मार्गदर्शन में वाहन चालक अवध जोशी की बहन के विवाह हेतु 25,000 की नगद सहयोग राशि प्रदान की गई।

इस अवसर पर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने परिवार को आगामी वैवाहिक जीवन के लिए शुभकामनाएं देते हुए हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम में महासचिव मलकीत सिंह, कोषाध्यक्ष जोगा राव, शहनवाज कुरैशी, वाजिद अंसारी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सामाजिक सरोकारों से जुड़े इस कदम को क्षेत्र में सराहना मिल रही है। एसोसिएशन का कहना है कि जरूरतमंदों की मदद करना उनकी प्राथमिकता है और भविष्य में भी इस प्रकार के सहयोग कार्य जारी रहेंगे।

वहीं शहर में सामाजिक सहभागिता के तहत इंद्रजीत सिंह ने मनसुखभाई बाबूलालभाई नथवाणी की प्रार्थना सभा में शामिल होकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोकाकुल परिवार को संबल प्रदान करने की प्रार्थना की। समाजसेवा और मानवीय संवेदनाओं के प्रति यह पहल भिलाई में सकारात्मक संदेश दे रही है। यहां उल्लेखनीय है कि एसोसिएशन अपने चालक-परिचालकों के बहनों एवं बेटियों की शादी के लिए आर्थिक सहयोग करते आ रहे हैं। सहयोग निधि से चालक-परिचालक के परिवारों को बड़ी राहत मिलती है। एसो. के प्रयास की सर्वत्र प्रशंसा हो रही है।

अटल डिजिटल सुविधा केंद्र व नवा तरिया-आय के जरिया अभियान को मिली नई रफ्तार

जिला पंचायत दुर्ग में वर्चुअल लोकार्पण कार्यक्रम का हुआ समापन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिला पंचायत सभा कक्ष में मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजरंग कुमार दुबे की अध्यक्षता में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के वर्चुअल लोकार्पण कार्यक्रम में सहभागिता की गई। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष पवन शर्मा, सदस्य श्रीमती श्रद्धा साहू, जितेंद्र यादव, श्रीमती प्रिया साहू तथा आकाश सोनी (उप संचालक) सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान अटल डिजिटल सुविधा केंद्र का लोकार्पण किया गया। इन केंद्रों के माध्यम से अब ग्रामीणों को बैंकिंग एवं शासकीय सेवाएं उनके गांव में ही उपलब्ध हो सकेंगी। यहां नकद जमा-निकासी, धन हस्तांतरण, बिजली-पानी बिल भुगतान, जाति, आय एवं निवास प्रमाण पत्र, आधार सेवाएं, पेंशन, बीमा तथा प्रधानमंत्री किसान योजना से संबंधित सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। इस पहल से ग्रामीणों को छोटे-छोटे कार्यों के लिए विकासखंड या जिला मुख्यालय जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

इसी क्रम में नवा तरिया-आय के जरिया अभियान के तहत सामुदायिक तालाबों की स्वीकृति एवं वर्चुअल लोकार्पण भी किया गया। यह अभियान महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के अंतर्गत संचालित है, जिसका उद्देश्य जल संरक्षण, भूजल संवर्धन एवं ग्रामीण आजीविका को मजबूत करना है।

अभियान के तहत पुराने तालाबों का जीर्णोद्धार एवं नए सामुदायिक तालाबों का निर्माण किया जा रहा है। मोर गांव, मोर पानी के तहत जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन को बढ़ावा दिया जा रहा है। तालाबों का प्रबंधन महिला स्व-सहायता समूहों को सौंपकर महिला सशक्तिकरण को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। साथ ही मछली पालन, सिंघाड़ा एवं कमल उत्पादन तथा मेढ़ों पर दलहन, सरसों और गेहूं की खेती के माध्यम से ग्रामीणों की आय बढ़ाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। कार्यों में पारदर्शिता के लिए आधुनिक तकनीकों और पोर्टलों का उपयोग किया जा रहा है।

कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत 5 हितग्राहियों को उनके नवीन पक्के आवास की चाबी भी वितरित की गई। ग्राम पंचायत जेवरा के हितग्राही नलदाऊ प्रसाद दुबे एवं श्रीमती सोहागा बाई को आवास की चाबी प्रदान कर उनके जीवन में नए अध्याय की शुरुआत की गई। इस अवसर पर सुश्री अल्का साहू (प्रभारी कार्यपालन अभियंता), कुलदीप देवागन (लेखा अधिकारी) एवं सहायक परियोजना अधिकारी महेंद्र कुमार जगड़े सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

खास खबर

महिला आरक्षण बिल समावेशी दृष्टिकोण के बिना यह प्रयास अधूरा- निकिता मिलिंद

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग शहर जिला कांग्रेस कमेटी की महामंत्री निकिता मिलिंद ने केंद्र की भाजपा सरकार पर महिला आरक्षण बिल को लेकर कई गम्भीर सवाल उठाए है उन्होंने कहा है कि महिला आरक्षण बिल में अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC), अनुसूचित जाति (SC), अनुसूचित जनजाति (ST) और अल्पसंख्यक वर्ग की महिलाओं के लिए अलग से कोई स्पष्ट कोटा निर्धारित नहीं किया गया है। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि इस आरक्षण का लाभ मुख्यतः पहले से सशक्त और प्रभावशाली वर्गों की महिलाओं तक सीमित रह सकता है।

भारत की सामाजिक संरचना को देखते हुए यह मुद्दा और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। देश की बड़ी आबादी OBC, SC, ST और अल्पसंख्यक वर्गों से आती है। यदि इन वर्गों की महिलाओं को अलग से प्रतिनिधित्व नहीं मिलता, तो यह बिल उनके वास्तविक सशक्तिकरण का माध्यम नहीं बन पाएगा।

आलोचकों का मानना है कि केवल महिला के आधार पर आरक्षण देना पर्याप्त नहीं है। सामाजिक और आर्थिक असमानताओं को ध्यान में रखते हुए आरक्षण की संरचना तैयार करना जरूरी है। अन्यथा, यह कदम अनजाने में कुछ जातियों और वर्गों के वर्चस्व को बनाए रखने वाला साबित हो सकता है। राजनीतिक दलों को टिकट वितरण में सामाजिक संतुलन सुनिश्चित करना चाहिए। यदि पार्टियां स्वयं इस दिशा में पहल नहीं करतीं, तो केवल कानून बनाना पर्याप्त नहीं होगा।

महिला आरक्षण बिल का उद्देश्य तभी सार्थक माना जाएगा, जब यह सभी वर्गों की महिलाओं को समान अवसर प्रदान करे। समावेशी दृष्टिकोण के बिना यह प्रयास अधूरा रह सकता है और समाज में समानता के लक्ष्य को हासिल करना मुश्किल हो सकता है।

गूगल बॉय रुद्र ने शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव की पहल का किया स्वागत

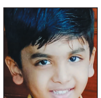

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई-दुर्ग

छत्तीसगढ़ के शिक्षा क्षेत्र में शुरू की गई नई पहल को लेकर एक नन्हे बालक ने अपनी खास प्रतिक्रिया देकर सभी का ध्यान आकर्षित किया है। 6 वर्षीय गूगल बॉय रुद्र शर्मा ने राज्य के शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव की पहल की सराहना करते हुए इसे बच्चों के जीवन के लिए प्रेरणादायक बताया है। रुद्र ने कहा कि यह पहल न केवल ज्ञानवर्धक है, बल्कि बच्चों के संस्कार और आत्मविश्वास को भी मजबूत करेगी। उन्होंने कहा कि सभी बच्चों को राष्ट्रगान, राष्ट्रीय गीत, राजकीय गीत के साथ-साथ विभिन्न मंत्रों का ज्ञान होना चाहिए। रुद्र शर्मा ने अन्य बच्चों को प्रेरित करने के उद्देश्य से दीप मंत्र, भोजन मंत्र, गुरु वंदना, सरस्वती वंदना और शांति पाठ जैसे मंत्रों का स्वयं उच्चारण करते हुए वीडियो रिकॉर्ड किया है और उन्हें बच्चों तक भेज रहे हैं। उनका उद्देश्य है कि अधिक से अधिक बच्चे इन मंत्रों को सीखें और अपनी संस्कृति से जुड़ें।

3 साल की उम्र से कर रहे मंत्रों का उच्चारण

रुद्र ने बताया कि वे मात्र 3 वर्ष की आयु से ही विभिन्न मंत्रों का नियमित जाप कर रहे हैं। इनमें राष्ट्रगान, राष्ट्रीय गीत, राजकीय गीत, भोर मंत्र, भोजन मंत्र, शांति पाठ, दीप मंत्र, गायत्री मंत्र और महामृत्युंजय मंत्र शामिल हैं। वे न केवल स्वयं इनका अभ्यास करते हैं, बल्कि अन्य बच्चों को भी सिखाने का प्रयास करते हैं।

शिक्षा मंत्री को दिया धन्यवाद

रुद्र शर्मा ने छत्तीसगढ़ के शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव को धन्यवाद देते हुए कहा कि ऐसी पहल बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने इसे संस्कार और शिक्षा का सुंदर संगम बताया। कम उम्र में ही अपनी प्रतिभा और संस्कारों से पहचान बना रहे रुद्र शर्मा की यह पहल अन्य बच्चों के लिए प्रेरणा बन रही है। शिक्षा और संस्कृति के इस समन्वय से प्रदेश में सकारात्मक वातावरण बनने की उम्मीद है।

शिक्षा सुधार को लेकर मंत्री गजेन्द्र यादव का प्राचार्यों के साथ बैठक

स्कूलों में दर्ज संख्या बढ़ाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य करने के निर्देश दिए

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग विधानसभा क्षेत्र के सभी शासकीय स्कूलों के प्राचार्यों एवं शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ आज शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने एक महत्वपूर्ण बैठक ली। बैठक में शिक्षकीय व्यवस्था, अतिरिक्त कक्ष निर्माण, संधारण एवं नवनिर्माण कार्यों की बिंदुवार समीक्षा करते हुए प्राचार्यों से विस्तृत संवाद किये।

शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रखते हुए उन्हें नैतिक शिक्षा एवं संस्कारों से परिपूर्ण बनाने पर जोर दिया। साथ ही स्कूलों में दर्ज संख्या बढ़ाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्कूल परिसर में स्वच्छ, अनुशासित एवं सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण तैयार करने की जिम्मेदारी सभी की सुनिश्चित करने की बात कही।

मंत्रोच्चार से होगी पढ़ाई की शुरुआत

बैठक में शिक्षा, ग्रामोद्योग एवं विधी विधायी मंत्री गजेन्द्र यादव ने बताया कि बदलते सामाजिक परिवेश और आधुनिकता के इस दौर में आगामी शिक्षण सत्र से स्कूलों में मंत्रोच्चार के साथ पढ़ाई की शुरुआत करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि इससे विद्यार्थियों में एकाग्रता, सकारात्मकता और अनुशासन का विकास होगा।

साथ ही उन्होंने आगामी सत्र के पूर्व सभी स्कूलों में साफ-सफाई, संधारण, रंग-रोगन एवं आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण करने के निर्देश दिए। विद्यार्थियों की संख्या बढ़ाने हेतु पालकों से सतत संपर्क बनाए रखने पर भी जोर दिया गया।

नवाचार गतिविधियों पर फोकस

बैठक में मंत्री श्री यादव ने बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षण कार्य में नवाचार गतिविधियों को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। उन्होंने शिक्षकों से उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग करने तथा इंस्पायर अवार्ड में विद्यार्थियों का नामांकन सुनिश्चित करने को कहा। इसके साथ ही विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे ठएएळ और खएए के लिए प्रारंभ से ही लक्ष्य निर्धारित कर तैयारी कराने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों को स्कूलों का सतत मॉनिटरिंग कर शिक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने को भी कहा गया।

बैठक के दौरान मंत्री श्री यादव ने प्राचार्यों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं है, बल्कि यह विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण की आधारशिला है। उन्होंने शिक्षकों से अपेक्षा की कि वे विद्यार्थियों को प्रेरित करने वाले मार्गदर्शक की भूमिका निभाएं और उन्हें अनुशासन, समय प्रबंधन तथा लक्ष्य के प्रति समर्पण का महत्व समझाएं। मंत्री श्री यादव ने कहा कि शासन की मंशा है कि शासकीय स्कूल भी गुणवत्ता, संसाधन और परिणाम के मामले में उत्कृष्ट बनें, इसके लिए सभी स्तर पर समन्वय और निरंतर प्रयास आवश्यक है।

खारुन नदी पुलिया मरम्मत कार्य हुआ पूर्ण, कुम्हारी मार्ग में यातायात फिर हुआ सुचारू

नई दृष्टिबिंदु / कुम्हारी

कुम्हारी थाना क्षेत्र अंतर्गत कुम्हारी टोल प्लाजा के आगे खारुन नदी पर स्थित पुलिया का मरम्मत कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण हो गया है। शुक्रवार 17 अप्रैल 2026 को मरम्मत कार्य पूरा होते ही दोनों पुलों को आम नागरिकों एवं सभी प्रकार के वाहनों के आवागमन के लिए पुनः खोल दिया गया, जिससे क्षेत्र की यातायात व्यवस्था फिर से सामान्य हो गई है। उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ दिनों से पुलिया के मरम्मत कार्य के चलते इस मार्ग पर यातायात आंशिक रूप से प्रभावित था। इस दौरान पुलिस प्रशासन द्वारा यातायात को सुचारू बनाए रखने के लिए वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था एवं आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए थे।

मरम्मत अवधि में नागरिकों ने प्रशासन और पुलिस का पूरा सहयोग किया, जिसके चलते कार्य निर्धारित समय में पूरा किया जा सका। दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों, दुगर्वासियों एवं इस मार्ग से गुजरने वाले सभी लोगों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया है। पुलिस प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि यातायात नियमों का पालन करते हुए सुरक्षित यात्रा करें और भविष्य में भी इसी प्रकार सहयोग बनाए रखें।

पेवर ब्लॉक निर्माण में लापरवाही, खराब कार्य उखाड़कर दोबारा निर्माण के दिए निर्देश

तकनीकी मानकों की मौके पर जांच, अधिकारियों को सख्त निर्देश, ठेकेदार को फटकार

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

नगर पालिक निगम दुर्ग क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की गुणवत्ता को लेकर महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने सख्त रुख अपनाया है। शुक्रवार को सिविल लाइन स्थित एसपी बंगले के पीछे चल रहे पेवर ब्लॉक निर्माण कार्य का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कार्य में गंभीर खामियां पाए जाने पर महापौर ने नाराजगी जताते हुए खराब हिस्से को तत्काल उखाड़कर पुनः निर्माण कराने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान लोक कर्म प्रभारी देवनारायण चंद्राकर ने स्वयं मेजरिंग टेप से पेवर ब्लॉक की मोटाई, सड़क की लंबाई-चौड़ाई एवं बेस लेयर की जांच की। उप अभियंता हरिशंकर साहू को निर्माण कार्य में तकनीकी मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। महापौर ने अधिकारियों को स्पष्ट रूप से कहा कि निरीक्षण के दौरान सभी संबंधित फाइलें साथ रखें और कार्य की नियमित मॉनिटरिंग करें।

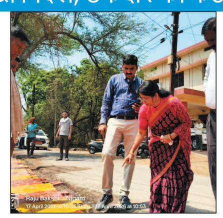

महापौर श्रीमती बाघमार ने ठेका एजेंसी के संचालक को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि यदि कार्य में गुणवत्ता से समझौता पाया गया तो भुगतान रोक दिया जाएगा तथा संबंधित एजेंसी को ब्लैकलिस्ट करने की कारवाई भी की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्माण में बेस, सीमेंट एवं पानी की उचित तराई नहीं पाई गई, जो अत्यंत गंभीर लापरवाही है।

महापौर ने दो टूक कहा कि किसी भी प्रकार का घटिया निर्माण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आवश्यक होने पर पूरी सड़क को ठेकेदार के खर्च पर दोबारा बनवाया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिए कि सोमवार तक संबंधित कार्य को पूरी तरह उखाड़कर नए सिरे से गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित किया जाए, ताकि नागरिकों को टिकाऊ एवं बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

लू के लक्षण और इससे बचाव के उपाय बताने आयोजित होंगे जन जागरूकता कार्यक्रम

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

ग्रीष्म ऋतु वर्ष 2026 को देखते हुए छत्तीसगढ़ शासन द्वारा विस्तृत दिशानिर्देश जारी किये गये हैं। जिसमें लू के लक्षण, लू से बचाव के उपाय, प्रारंभिक उपचार और आवश्यक सांवधानियां संबंधी आवश्यक निर्देश दिये गये हैं। जिला प्रशासन द्वारा सभी स्वास्थ्य केन्द्रों को लू के लक्षण, लू से बचाव, लू लगने पर प्रारंभिक उपचार हेतु जनसमुदाय में जागरूकता लाने व प्रशिक्षण देने हेतु निर्देशित किया गया है। स्वास्थ्य केन्द्रों में लू से प्रभावित मरीजों का प्राथमिकता से परीक्षण करने के निर्देश भी दिये गये हैं। साथ ही जिले के संबंधित सभी विभागों के लिए भी दिशा-निर्देश जारी किए गए है। प्राप्त जानकारी के अनुसार लू बचाव/उपाय के संबंध में जन जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा।

लक्षण- सिर से भारीपान और दर्द होना, तेज बुखार के साथ मुंह का सूखना, चक्कर और उल्टी आना, कमजोरी के साथ शरीर में दर्द होना, शरीर का तापमान अधिक हो जाने के बाद भी पसीने का न आना, अधिक प्यास और पेशाब कम आना, भूख कम लगना तथा बेहोश होना।

बचाव के उपाय-लू लगने का प्रमुख कारण तेज धूप और गर्मी से ज्यादा देर तक रहने के कारण शरीर में पानी और खनिज मुख्यतया नमक की कमी हो जाना होता है। अतः इससे बचाव के लिए निम्न बातों का ध्यान रखना चाहिए- बहुत अनिवार्य न हो तो घर से बाहर ना जाए। धूप से निकलने से पहले सर व कानों को कपड़े से अच्छी तरह से बांध लें। पानी अधिक मात्रा में पीये और अधिक समय तक धूप में न रहें। गर्मी के दौरान नरम मुलायम सूती कपड़े पहनने चाहिए ताकि हवा और कपड़े पसीने को सोखते रहे। इसी प्रकार अधिक पसीना आने की स्थिति में ओ.आर.एस. घोल पीयें। चक्कर आने, उल्टी आने पर छायादार स्थान पर विश्राम करें तथा शीतल पेय जल अथवा उपलब्ध हो तो फल का रस, लस्सी, मठा आदि का सेवन करें। प्रारंभिक सलाह के लिए 104 आरोग्य सेवा केन्द्र से निःशुल्क परामर्श लिया जाए और उल्टी, सर दर्द, तेज बुखार की दशा में निकट के अस्पताल अथवा स्वास्थ्य केन्द्र से जरूरी सलाह लिया जाए।

लू लगने पर किये जाने वाला प्रारंभिक उपचार-बुखार पीड़ित व्यक्ति के सर पर ठण्डे पानी की पट्टी लगावें, अधिक पानी व पेय पदार्थ पिलावें जैसे कच्चे आम का पना, जल जीरा आदि, पीड़ित व्यक्ति को पंखे के नीचे हवा में लिटा देवें, शरीर पर ठण्डे पानी का छिड़काव करते रहें, पीड़ित व्यक्ति को यथाशीघ्र किसी नजदीकी चिकित्सा केन्द्र में उपचार हेतु ले जाए तथा मितानिन ए.एन.एम. से ओ.आर.एस. के पैकेट हेतु संपर्क करें।

क्या करें-जितना हो सके पर्याप्त पानी पीये, भले ही प्यास न लगी हो। मिर्गी, हृदय, गुर्दे या लीवर से संबंधित रोग वाले जो तरल प्रतिबंधित आहार लेते हो, तरल पदार्थ लेने से पहले डॉक्टर से परामर्श लें। हल्के, हल्के रंग के, ढीले सूती कपड़े पहने। ओ.आर.एस. (ओरल रिहाइड्रेशन) घोल, घर का बना पेय लस्सी, (तोरानी चावल) का पानी, नींबू का पानी, छांछ आदि का उपयोग करें। बाहर जाने से बचे, यदि बाहर जाना आवश्यक है, तो अपने सिर (कपड़े/टोपी या छाता) और चेहरे को कवर करें। जहां तक संभव हो किसी भी सतह को छूने से बचें।

क्या न करें-गर्मी के दौरान बाहर न जाए, यदि आपको आवश्यक कार्य के लिए बाहर जाना है तो दिन के शीतलन घंटो के दौरान अपनी सारणी निर्धारित करने का प्रयास करें। अत्यधिक गर्मी के घंटो के दौरान बाहर जाने से बचे (विशेष रूप से दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच), नंगे पैर या बिना चेहरे को ढ़के और बिना सिर ढककर बाहर न जाए। व्यस्थतम समय (दोपहर) के दौरान खाना पकाने से बचे, खाना पकाने वाले क्षेत्रों (रसोई घरों) में दरवाजे और खिड़कियां खोल कर रखें, जिससे पर्याप्त रूप से हवा आ सके। शराब, चाय, कॉफी और कार्बोनेटेड पेय, पीने से बचे जो शरीर को निर्जलित करते हैं। उच्च प्रोटीन, मसालेदार और तेलीय भोजन खाने से बचे, बासी खाना न खाए। बीमार होने पर बाहर धूप में न जाए, घर पर रहे।

अन्य सावधानियां-जितना हो सके घर के अंदर रहें। अपने घर को ठंडा रखें-धूप से बचाव के लिए दिन में पर्दे, शटर का उपयोग करें और खिड़कियां खोलें। निचली मंजिलों पर बने रहने का प्रयास करे। पंखों का उपयोग करें, कपड़ों को नम करें और अधिक गर्मी में ठंडे पानी में ही स्नान करें। यदि आप बीमार महसूस करते हैं-उच्च बुखार/लगातार सिरदर्द/चक्कर आना/मतली या भटकाव/लगातार खांसी/सांस की तकलीफ है तो तुरंत डॉक्टर को दिखाये। जानवरों को छाया में रखे और उन्हें पीने के लिए भरपूर पानी दें। इन उपायों का उपयोग कर लू एवं हीटवेव के प्रभाव से बचा जा सकता है।

वरिष्ठ नागरिकों और फील्ड स्टाफ के लिए निर्देश

वृद्धजनों और धूप में ड्यूटी करने वाले कमर्चारियों के लिए भी विशेष रूप से गाइडलाइन जारी की गई है, ऐडवायजरी अनुसार जो बुजुर्ग अकेले रहते हैं, उनकी नियमित जांच और देखभाल सुनिश्चित करने को कहा गया है। यदि किसी वृद्ध को असामान्य रूप से भूख कम लगना, चक्कर आना या सांस लेने में तकलीफ हो, तो तुरंत चिकित्सकीय सहायता लेने की सलाह दी गई है। समाज के हर वर्ग और व्यवस्था को सुरक्षित रखने के लिए विस्तृत काययोजना सौंपी गई है।

जिला प्रशासन द्वारा लू कार्य योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु विभिन्न विभागों को जिम्मेदारियां सौंपी गई है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग को गर्मी के दौरान सार्वजनिक स्थलों, आश्रय स्थलों और भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों की पहचान कर वहां पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, लू के दौरान बाहरी गतिविधियों और कार्यों पर प्रतिबंध के संबंध में विशेष ध्यान रखने को कहा गया है। शहरी क्षेत्रों में ग्रीन कवर बढ़ाने हेतु छतों पर उद्यान और शहरी वन विकसित करने के प्रयासों को गति दी जाएगी। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग को ग्रामीण स्तर पर लू से बचाव का प्रशिक्षण आयोजित करने और समस्त स्वास्थ्य केंद्रों में लू प्रभावित मरीजों के लिए दवाओं व उपचार की विशेष व्यवस्था करने को कहा गया है। गंभीर स्थिति में सहायता के लिए महतारी एक्सप्रेस (108/104) की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। विद्युत विभाग को भीषण गर्मी और लू की अवधि के दौरान अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और पेयजल आपूर्ति केंद्रों जैसे महत्वपूर्ण स्थानों पर प्राथमिकता के आधार पर निर्बाध बिजली आपूर्ति बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। शिक्षा विभाग को जिले के समस्त शिक्षण संस्थानों में शीतल पेयजल, ओ.आर.एस. और आइस पैक की व्यवस्था अनिवार्य की गई है। भीषण गर्मी की स्थिति को देखते हुए शिक्षण संस्थानों के समय में आवश्यक परिवर्तन करने के निर्देश भी दिए गए हैं। स्वैच्छिक संगठनों, गैर-सरकारी संगठनों और स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से सार्वजनिक स्थानों जैसे बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और बाजारों में प्याऊ घरों तथा शुद्ध पेयजल व छाछ की व्यवस्था करने को कहा गया है। पुलिस व यातायात कमियों को ड्यूटी के दौरान हल्के रंग की टोपी या छतरी का प्रयोग करने, सनग्लासेस पहनने और पर्याप्त पानी पीने के निर्देश दिए गए हैं। यथासंभव युवा कमियों को दिन की यातायात ड्यूटी में तैनात करने का सुझाव दिया गया है।

श्रम एवं रोजगार विभाग को उद्योगों और निर्माण स्थलों पर काम करने वाले मजदूरों के लिए विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं। गर्मी के समय (दोपहर 12.00 बजे से 3.00 बजे तक) बाहरी काम और लू से बचाने के लिए कार्यकालीन समय में परिवर्तन किया जाएगा। साथ ही, कार्यस्थलों पर जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर मजदूरों के लिए आइस पैक उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाएगा। पशु चिकित्सा विभाग द्वारा पशुओं को लू से बचाने के लिए जमीनी स्तर पर कमर्चारियों और गौपालकों को सक्रिय किया गया है। पशुओं के लिए पर्याप्त छाया, चारा (भूसा, पानी) और शुद्ध पेयजल की व्यवस्था के साथ-साथ आवश्यक दवाइयों का भंडारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

सीएम ने मोर गांव, मोर पानी, मोर तरिया महाअभियान अंतर्गत 500 नए तरिया का किया शिलान्यास

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी पहल मोर गांव, मोर पानी, मोर तरिया महाअभियान का आज जशपुर के रणजीता स्टेडियम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शुभारंभ किया। अभियान के अंतर्गत नवा तरिया, आय के जरिया के तहत प्रदेश में 500 नए तरिया (तालाब) के निर्माण का भी शिलान्यास किया। इससे जल संचयन, भूजल स्तर में वृद्धि और कृषि कार्यों के लिए सिंचाई सुविधा में सुधार होगा। इस अभियान के माध्यम से जल संरक्षण, जल संवर्धन और ग्रामीण आजीविका को सशक्त बनाने की दिशा में बड़े स्तर पर कार्य किए जाएंगे।

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत इस महाअभियान के

तहत प्रदेशभर में 10,000 आजीविका डबरी निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसके विरुद्ध 15 अप्रैल 2026 तक 13,000 से अधिक डबरी निर्माण पूर्ण कर लिया गया है। यह उपलब्धि अभियान की गति और प्रभावशीलता को दर्शाती है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस अवसर पर कहा कि जल ही जीवन और विकास का आधार है। मोर गांव, मोर पानी, मोर तरिया अभियान के माध्यम से हम गांव-गांव में जल संरक्षण को जन आंदोलन बना रहे हैं। इससे न केवल पानी की उपलब्धता बढ़ेगी, बल्कि किसानों की आय में वृद्धि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि आजीविका डबरी के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में मत्स्य पालन, बत्तख पालन, सिंघाड़ा उत्पादन, सब्जी उत्पादन और वृक्षारोपण जैसे विविध आजीविका गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, जिससे लोगों को अतिरिक्त आय के अवसर प्राप्त होंगे। ग्रामीण स्तर पर इस योजना के प्रचार-प्रसार के लिए दीवार लेखन, बैनर, ग्राम सभाओं में जागरूकता अभियान तथा क्यूआर कोड के माध्यम से विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। साथ ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए भी व्यापक प्रचार किया जा रहा है। महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देते हुए आजीविका डबरी से जुड़े कार्यों में स्व सहायता समूह की महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की गई है। हितग्राही परिवार की महिला सदस्य का नाम नागरिक सूचना पटल में अंकित किया जा रहा है, जिससे महिलाओं की अधिकारिता और भागीदारी मजबूत हो सके।

इसके तहत उन्नत तकनीक आधारित योजना निर्माण और ग्राम सभा की स्वीकृति के आधार पर कार्यों को मंजूरी दी जा रही है, जिससे पारदर्शिता और प्रभावी निगरानी सुनिश्चित हो रही है। सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से यह अभियान ग्राम पंचायतों के समग्र विकास और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने का कार्य करेगा। मोर गांव, मोर पानी, मोर तरिया महाअभियान जशपुर सहित पूरे प्रदेश में जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाते हुए ग्रामीणों के जीवन में स्थायी बदलाव लाने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल के रूप में उभर रहा है।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, अध्यक्ष छग भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार मंडल रामप्रताप सिंह, विधायक पत्थलगांव श्रीमती गोमती साय, जशपुर विधायक श्रीमती रायमुनी भगत सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

खास खबर

प्रदेश के विकास में बंगाली समाज की अहम भूमिका - मुख्यमंत्री साय

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय मुख्यमंत्री निवास में आयोजित बंगाली समाज के नववर्ष मिलन समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने समाज के सभी लोगों को बंगाली नववर्ष की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विकास में बंगाली समाज का सदैव महत्वपूर्ण योगदान रहा है। विशेष रूप से मत्स्य पालन एवं उन्नत कृषि के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में बंगाली समाज की बड़ी भूमिका रही है। साथ ही, स्वास्थ्य सेवाओं में भी समाज के लोग उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पश्चिम बंगाल की भूमि सदैव महान विभूतियों की जन्मस्थली रही है, जहां रविंद्रनाथ टैगोर, स्वामी विवेकानंद और बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय जैसे महापुरुषों ने जन्म लिया। उन्होंने बताया कि स्वामी विवेकानंद अपने युवाकाल में लंबे समय तक रायपुर में रहे। उनके निवास स्थल को सरकार विरासत के रूप में संरक्षित कर रही है तथा राजधानी का विमानतल उनके सम्मान में स्वामी विवेकानंद विमानतल के नाम से जाना जाता है। उन्होंने विश्वास जताया कि विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में बंगाली समाज की अहम भूमिका रहेगी।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने भी इस अवसर पर बंगाली नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बंगाल का इतिहास अत्यंत समृद्ध रहा है। उन्होंने रामकृष्ण परमहंस, मेघनाद साहा, स्वामी विवेकानंद और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसी महान विभूतियों का स्मरण करते हुए इस विरासत को सहेजने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में विधायक किरण सिंह देव ने भी समाज के प्रतिनिधियों को नववर्ष की बधाई दी। इस अवसर पर अखिलेश सोनी, प्रबल प्रताप जूदेव, पूर्व न्यायमूर्ति गौतम भादुड़ी, प्रवीण सेन, विवेक वर्धन सहित बड़ी संख्या में समाज के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन ने महिला थाना का किया लोकार्पण

कोरबा-रायपुर। उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन ने शुक्रवार को कोरबा स्थित सिविल लाइन थाना परिसर में कोरबा जिले के प्रथम महिला थाना का फीता काटकर विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि यह थाना जिले का पहला महिला थाना होगा, जो न केवल महिलाओं के प्रति अपराधों की रोकथाम में सहायक होगा, बल्कि उनकी शिकायतों का त्वरित समाधान भी सुनिश्चित करेगा। मंत्री श्री देवांगन ने थाना का शुभारंभ करने के बाद निरीक्षक भावना खांडेकर को थाना प्रभारी का विधिवत पदभार ग्रहण कराया। इस थाने में थाना प्रभारी सहित बलों की पदस्थापना की गई है।

मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि यह महिला थाना महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देने वाली एक महत्वपूर्ण पहल है। इस महिला थाना का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि महिलाओं को अपने अधिकारों की रक्षा के लिए एक सुरक्षित स्थान मिल सके। इस अवसर पर मंत्री श्री देवांगन ने विभिन्न परीक्षाओं में उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले इस परिवार के बच्चों को सम्मानित किया। थाना परिसर में एक वाटर कूलर की स्थापना की भी घोषणा की। साथ ही गर्मी में लगने वाले आमतौर पर आग से बचाव के उपाय हेतु पाम्पलेट का भी विमोचन किया।

डिजिटल डेमोक्रेसी डायलॉग में मुख्यमंत्री साय का आह्वान : क्रिएटर्स दिखाएं बदलते छग की नई पहचान

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में आयोजित डिजिटल डेमोक्रेसी डायलॉग में देशभर से आए कंटेंट क्रिएटर्स का स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ आस्था, संस्कृति और प्रकृति का संगम है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह भूमि भगवान श्रीराम के ननिहाल और माता कौशल्या के मायके के रूप में जानी जाती है। वनवास के 14 वर्षों में से अधिकांश समय भगवान श्रीराम ने यहीं व्यतीत किया, जिसके प्रमाण आज भी प्रदेश के विभिन्न स्थलों पर मिलते हैं। उन्होंने माता शबरी की भक्ति, दंडकारण्य और अबूझमाड़ जैसे ऐतिहासिक-आध्यात्मिक स्थलों का उल्लेख करते हुए छत्तीसगढ़ की गौरवशाली विरासत को रेखांकित किया।

उन्होंने संत गुरु घासीदास जी के मनखे-मनखे एक समान के संदेश को याद करते हुए कहा कि सत्य और अहिंसा की यह परंपरा आज भी प्रदेश की आत्मा में समाहित है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि कभी नक्सलवाद से प्रभावित रहा छत्तीसगढ़ आज तेजी से बदल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दृढ़ इच्छाशक्ति, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के संकल्प और सुरक्षा बलों के अदम्य साहस के परिणामस्वरूप प्रदेश अब नक्सलवाद से मुक्त होने की दिशा में निर्णायक सफलता हासिल कर चुका है। उन्होंने बताया कि पहले जहां प्रदेश का बड़ा हिस्सा नक्सल प्रभावित था, वहीं अब विकास की मुख्यधारा गांव-गांव तक पहुंच रही है।

मुख्यमंत्री ने बस्तर संभाग को प्राकृतिक सौंदर्य और पर्यटन की अपार संभावनाओं से परिपूर्ण बताते हुए कहा कि यहां के जलप्रपात, घने वन, संस्कृति और जनजातीय जीवन देश-विदेश के पर्यटकों को आकर्षित कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि यूनेस्को द्वारा बस्तर के धुड़मारास गांव को विश्व के 20 सर्वश्रेष्ठ पर्यटन स्थलों में शामिल किया जाना प्रदेश के लिए गर्व की बात है।

उन्होंने कंटेंट क्रिएटर्स से आग्रह किया कि वे अपने प्रभाव का उपयोग करते हुए बस्तर और

छत्तीसगढ़ की सकारात्मक छवि देश-दुनिया तक पहुंचाएं। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि बस्तर के दिव्यांग बालक मड्डा राम का वीडियो वायरल होने पर क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर द्वारा उन्हें क्रिकेट किट भेजी गई—यह सोशल मीडिया की ताकत का प्रमाण है।

प्रदेश में विकास कार्यों की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि नई औद्योगिक नीति के तहत पिछले दो वर्षों में 8 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। साथ ही, छत्तीसगढ़ विजन 2047 के माध्यम से राज्य को विकसित बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के विकास के लिए संचालित योजनाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि नियद नेल्ला नार योजना के माध्यम से सड़क, बिजली, पानी, राशन, वनाधिकार पट्टा और दूरसंचार जैसी मूलभूत सुविधाएं सुदूर गांवों तक पहुंचाई गई हैं। बस्तर ओलंपिक और सांस्कृतिक आयोजनों के जरिए युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है।

डिजिटल युग पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री के डिजिटल इंडिया विजन का प्रभाव आज गांव-गांव में दिखाई दे रहा है, जहां आम नागरिक भी डिजिटल भुगतान कर रहा है। उन्होंने क्रिएटर्स से इस परिवर्तन को और आगे बढ़ाने का आह्वान किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रामभाऊ म्हालगी प्रबोधिनी के उपाध्यक्ष विनय सहस्त्रबुद्धे ने कहा कि नक्सलवाद की छाया से बाहर निकलकर उभरता नया छत्तीसगढ़ आज देश के सामने एक सकारात्मक और प्रेरक उदाहरण के रूप में स्थापित हो रहा है। उन्होंने कहा कि जिस क्षेत्र को कभी केवल संघर्ष और चुनौतियों के संदर्भ में देखा जाता था, वही आज विकास, शांति और संभावनाओं की नई कहानी लिख रहा है। उन्होंने कंटेंट क्रिएटर्स से अपील करते हुए कहा कि वे पूर्वाग्रहों से परे जाकर छत्तीसगढ़ को समझें और यहां हो रहे वास्तविक परिवर्तन, जनजीवन में आए सकारात्मक बदलाव, सांस्कृतिक समृद्धि और विकास की नई गति को अपने मंचों के माध्यम से देश-दुनिया तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि आज डिजिटल माध्यम केवल अभिव्यक्ति का साधन नहीं, बल्कि धारणा निर्माण की सबसे प्रभावशाली शक्ति बन चुका है, ऐसे में क्रिएटर्स की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि वे सच्चाई और सकारात्मकता पर आधारित कंटेंट प्रस्तुत कर समाज में नई सोच और विश्वास का संचार करें।

इस अवसर पर विधायक किरण सिंह देव, मुख्यमंत्री के सलाहकार आर. कृष्णा दास, डॉ. गुरु पासवान, प्रबल प्रताप सिंह जूदेव एवं जनसंपर्क आयुक्त रजत बंसल सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित थे।

पारंपरिक कला-संस्कृति के संरक्षण के साथ कलाकारों को मिलेगा आर्थिक सहयोग

15 मई तक कर सकते हैं आवेदन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन के संस्कृति विभाग द्वारा राज्य की समृद्ध लोक कला एवं सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित और प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री लोक कलाकार प्रोत्साहन योजना 2026 के अंतर्गत प्रदेशभर के लोक कलाकारों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इस योजना के माध्यम से लोकनृत्य, लोकगायन, लोकनाट्य, छत्तीसगढ़ी गीतकार, वाद्ययंत्र वादक, शिल्प कलाकार, पारंपरिक पाक कला एवं सौंदर्यकला से जुड़े कलाकारों को आर्थिक सहायता प्रदान कर उन्हें सम्मानित करने की पहल की गई है, ताकि वे अपनी कला को निरंतर आगे बढ़ा सकें और सांस्कृतिक परंपराएं जीवंत बनी रहें।

योजना के तहत चयनित कलाकारों को प्रतिवर्ष न्यूनतम 12 हजार रुपये से लेकर अधिकतम 24 हजार रुपये तक की प्रोत्साहन राशि ई-पेमेंट के माध्यम से दी जाएगी। इस योजना का लाभ उन्हीं कलाकारों को मिलेगा जिनकी सभी स्रोतों से वार्षिक आय 96 हजार रुपये से अधिक नहीं है। साथ ही, चयनित कलाकारों को एक वित्तीय वर्ष में केवल एक बार यह प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी और आगामी दो वर्षों तक वे पुनः इस योजना के लिए पात्र नहीं होंगे।

आवेदन के लिए कलाकारों को निर्धारित प्रारूप में अपनी पूरी जानकारी देना अनिवार्य है, जिसमें नाम, कला विधा, पता, जिला, मोबाइल नंबर, चिन्हारी पोर्टल का पंजीयन क्रमांक, अनुभव के वर्ष तथा उपलब्धियों का विस्तृत विवरण (प्रमाण पत्र, फोटो, वीडियो आदि सहित) शामिल है। इसके साथ ही चिन्हारी पोर्टल में पंजीयन अनिवार्य रखा गया है।

इच्छुक कलाकार निर्धारित प्रारूप में आवेदन भरकर पंजीकृत डाक के माध्यम से भेज सकते हैं। आवेदन पत्र भेजने की अंतिम तिथि 15 मई 2026 निर्धारित की गई है। आवेदन पत्र के लिफाफे पर मुख्यमंत्री लोक कलाकार प्रोत्साहन योजना 2026 अंकित करना अनिवार्य होगा। योजना से संबंधित अधिक जानकारी विभागीय वेबसाइट www.cgculture.in पर भी प्राप्त की जा सकती है।

इस योजना के माध्यम से संस्कृति विभाग, छत्तीसगढ़ शासन न केवल लोक कलाकारों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का कार्य कर रहा है, बल्कि प्रदेश की समृद्ध लोक परंपराओं को संरक्षित और संवर्धित करने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है।

मुख्यमंत्री ने सियान गुड़ी का किया शुभारंभ : बुजुर्गों के साथ कैरम खेलकर बढ़ाया हौंसला

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जशपुर में वरिष्ठ नागरिकों के लिए विकसित अत्याधुनिक डे-केयर केंद्र सियान गुड़ी का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने बुजुर्गों के साथ कैरम खेलकर उनका उत्साह बढ़ाया और आत्मीय संवाद स्थापित किया। मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर वरिष्ठजन अत्यंत प्रसन्न नजर आए तथा उन्होंने राज्य सरकार द्वारा विकसित सियान गुड़ी के लिए आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस अवसर पर बुजुर्गों को फूड बास्केट वितरित किए तथा धार्मिक पुस्तक, शॉल एवं श्रीफल भेंटकर उनका सम्मान किया। उन्होंने समाज में वरिष्ठजनों के सम्मान और उनकी देखभाल के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ अपनी समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं और पारिवारिक मूल्यों के लिए जाना जाता है, लेकिन वर्तमान में समाज तेजी से बदल रहा है। एकल परिवार की बढ़ती प्रवृत्ति, रोजगार के लिए युवाओं का पलायन और व्यस्त जीवनशैली के कारण अनेक बुजुर्ग दिन के समय अकेलेपन और उपेक्षा का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह अकेलापन केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक प्रभाव डालता है।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि सियान गुड़ी के माध्यम से राज्य सरकार ने वरिष्ठ नागरिकों के जीवन को अधिक सम्मानजनक, सक्रिय और खुशहाल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है, जो सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करते हुए पारिवारिक मूल्यों को भी नई ऊर्जा प्रदान करेगा।

उल्लेखनीय है कि जशपुर में रणजीता स्टेडियम के पीछे भागलपुर रोड स्थित यह सियान गुड़ी केंद्र वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक समग्र डे-केयर यूनिट के रूप में विकसित किया गया है, जिसका मुख्य उद्देश्य उन्हें एक ही स्थान पर बहुआयामी सेवाएं उपलब्ध कराना है। यहां योग, प्राणायाम, मनोरंजन, सांस्कृतिक एवं सामुदायिक गतिविधियां,

डिजिटल एवं वित्तीय साक्षरता तथा कौशल विकास प्रशिक्षण की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। साथ ही प्राथमिक स्वास्थ्य जांच, बेसिक दवाओं की उपलब्धता, टेली कंसल्टेशन, स्वास्थ्य जागरूकता सत्र, फिजियोथैरेपी और व्यायाम की भी व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

इसके अतिरिक्त केंद्र में वरिष्ठ नागरिकों को कानूनी एवं पारिवारिक परामर्श भी प्रदान किया जाएगा। उपेक्षा या दुर्व्यवहार की स्थिति में नेशनल हेल्पलाइन नंबर 14567 तथा राज्य स्तरीय सियान हेल्पलाइन नंबर 155326 के माध्यम से त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। सुविधाओं की दृष्टि से सियान गुड़ी को अत्याधुनिक रूप दिया गया है, जहां बाधारहित वातावरण, व्हील चेयर सुविधा, आरामदायक बैठने की व्यवस्था, जेंडर पृथक एवं दिव्यांग अनुकूल शौचालय, सामूहिक गतिविधियों के लिए विशाल हॉल, पुस्तकालय एवं शांत रीडिंग कॉर्नर उपलब्ध हैं। इसके साथ ही टीवी, रेडियो, सीसीटीवी, बायोमैट्रिक उपस्थिति प्रणाली, प्राथमिक स्वास्थ्य परीक्षण डेस्क, मासिक चिकित्सकीय परामर्श, फिजियोथैरेपी कॉर्नर तथा टेलीमेडिसिन सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है।

इस केंद्र में प्रतिदिन 6 से 8 घंटे तक वरिष्ठ नागरिकों के लिए योग, व्यायाम, चाय-नाश्ता, भोजन, मनोरंजन, जीवन कौशल एवं पुनः कौशल विकास प्रशिक्षण, स्वास्थ्य परीक्षण, सांस्कृतिक कार्यक्रम, समूह चर्चा तथा कानूनी एवं सामाजिक जागरूकता से जुड़े विविध कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे।

इस अवसर पर अध्यक्ष छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कमर्कार मंडल रामप्रताप सिंह, विधायक पत्थलगांव गोमती साय, जशपुर विधायक रायमुनी भगत, नगर पालिका उपाध्यक्ष यश प्रताप सिंह जूदेव, प्रबल प्रताप सिंह जूदेव, सरगुजा संभाग के कमिश्नर नरेंद्र दुग्गा, पुलिस कमिश्नर दीपक कुमार झा, कलेक्टर रोहित व्यास, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक लाल उमेंद सिंह सहित जनप्रतिनिधिगण व वरिष्ठजन उपस्थित थे।

'स्पेस ऑन व्हील्स' बना जशपुर के बच्चों के लिए अंतरिक्ष ज्ञान का चलता-फिरता विद्यालय

मुख्यमंत्री साय ने किया 'स्पेस ऑन व्हील्स' का अवलोकन, बच्चों की वैज्ञानिक समझ की सराहना

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति जिज्ञासा और वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जशपुर जिले में स्पेस ऑन व्हील्स कार्यक्रम ने बच्चों में नई ऊर्जा का संचार किया है। रणजीता स्टेडियम में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की विशेष मोबाइल प्रदशर्नी बस के आगमन पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अंतरिक्ष गाड़ी का अवलोकन किया और प्रदर्शित रॉकेट, उपग्रह तथा विभिन्न अंतरिक्ष मिशनों के मॉडलों को देखा। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद करते हुए उनकी वैज्ञानिक समझ और जिज्ञासा की सराहना की।

शासकीय महारानी लक्ष्मी बाई उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जशपुर की कक्षा 12वीं की छात्राएं कुमारी अंशु पासवान, भूमिका डाहरे और सारिका साहनी ने आगे बढ़कर चंद्रयान, मंगलयान सहित विभिन्न अंतरिक्ष तकनीकों की

कार्यप्रणाली को सरल और प्रभावी ढंग से मुख्यमंत्री को समझाया। बच्चों के आत्मविश्वास से प्रभावित मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसी पहलें विशेष रूप से दूरस्थ क्षेत्रों में विज्ञान के प्रति रुचि विकसित करने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि आज के समय में विज्ञान और तकनीक ही विकास की आधारशिला है और स्पेस ऑन व्हील्स जैसे कार्यक्रम ग्रामीण अंचलों के बच्चों में जिज्ञासा, नवाचार और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने स्पेस ऑन व्हील्स के माध्यम से जिले के विभिन्न स्कूलों में विज्ञान की जानकारी देने वाले 17 बच्चों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया और विद्यार्थियों को द मैजिक ऑफ नाइट स्काई पुस्तिका भी वितरित की।

इस अवसर पर विधायक पत्थलगांव श्रीमती गोमती साय, जशपुर विधायक श्रीमती रायमुनी भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष सालिक साय, नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद भगत, जिला पंचायत उपाध्यक्ष शौर्य प्रताप सिंह जूदेव, नगर पालिका उपाध्यक्ष यश प्रताप सिंह जूदेव, सरगुजा संभाग के कमिश्नर नरेंद्र दुग्गा, पुलिस कमिश्नर दीपक कुमार झा, कलेक्टर रोहित व्यास, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक लाल उमेंद सिंह सहित बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिए अन्वेषण कार्यक्रम के अंतर्गत इस पहल का आयोजन किया जा रहा है। विज्ञान भारती के सहयोग से यह कार्यक्रम जशपुर जिले के सभी विकासखंडों में संचालित किया जा रहा है। 7 अप्रैल से प्रारंभ हुआ यह अभियान 14 दिनों तक चलेगा, जिसमें बस प्रतिदिन सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक विभिन्न विद्यालयों में पहुंचकर विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान की जानकारी दे रही है। इस पहल से जिले के 10 हजार से अधिक विद्यार्थी प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित होंगे।

स्पेस ऑन व्हील्स इसरो की एक अत्याधुनिक मोबाइल प्रदशर्नी है, ताकि अंतरिक्ष विज्ञान को सीधे छात्रों और आमजन तक पहुंचाया जा सके। इस प्रदशर्नी में पीएसएलवी, जीएसएलवी, चंद्रयान, मंगलयान, आरएलवी, रिमोट सेंसिंग, कम्युनिकेशन और नेविगेशन सैटेलाइट से जुड़े मॉडल प्रदर्शित किए गए हैं। ऑडियो-विजुअल माध्यम, इंटरएक्टिव पैनल और लाइव डेमो के जरिए विद्यार्थियों को जटिल अंतरिक्ष तकनीकों को सरल भाषा में समझाया जा रहा है।

इस पहल का उद्देश्य न केवल अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति जागरूकता बढ़ाना है, बल्कि युवाओं को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए प्रेरित करना भी है। विज्ञान भारती के विशेषज्ञों, भौतिकी के व्याख्याताओं और स्वयंसेवकों द्वारा विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दिया जा रहा है। यह कार्यक्रम उन विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से उपयोगी साबित हो रहा है, जिन्हें बड़े शहरों या इसरो केंद्रों तक पहुंचने का अवसर नहीं मिल पाता।

जशपुर में स्पेस ऑन व्हील्स का आगमन युवाओं के सपनों को नई दिशा देने वाला अभियान बनकर उभरा है, जो भविष्य में जिले को विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

संपादकीय

महिला आरक्षण की गेंद विपक्ष के पाले में

राजनीति में होशियार वह होता है जो सही समय पर सही चाल चलता है ओर सामने वाले को सोचने को मजबूर कर देता है कि यह चाल चली क्यों गई हैं और इसकी काट क्या है। जब सामने वाला चाल की काट सोचता है तो लगता है कि वह सामने वाली की चाल में फंस गया है और उसकी मात तो तय हैं ।महिला आरक्षण मामले में पीएम मोदी साफ कर दिया है कि वह देश की महिलाओं को जल्द से जल्द आरक्षण देना चाहते हैं, वह विपक्ष से इस मामले में सहयोग मांग रहे हैं और विपक्ष इस मामले में सहयोग करे तो उसे घाटा है और वह सहयोग न करे तो और ज्यादा घाटा है।

विधायिका में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने और इसके लिए परिसीमन कर लोकसभा व विधासनभा का चेहरा बदलने के लिए संविधान संशोधन विधेयक पर गुरुवार को लोकसभा में चर्चा हुई ।बहस में सरकार की नीयत साफ करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि महिला आरक्षण को लागू करने के लिए सभी राजनीतिक दलों को बिना कोई राजनीति किए इसका समर्थन करना चाहिए। पीएम मोदी विपक्ष ने जो जो सवाल उठाए उसका जबाव देते हुए कहा कि महिला आरक्षण के लिए लाए संविधान संशोधन से किसी राज्य के साथ कोई भेदभाव नहीं होगा। परिसीमन पहले जिस अनुपात में हुआ है,वह नहीं बदलेगा ।इसके लिए मोदी की गारंटी चाहिए तो ले लो।

उन्होंने यह भी साफ कर दिया कि इस बिल को हमको कोई श्रेय नहीं चाहिए ।कुछ लोगों को लगता होगा कि इसमें कहीं न कहीं मोदी का राजनीतिक स्वार्थ है,इस बिल का विरोध करेंगे तो स्वाभाविक है कि इसका लाभ मुझे होगा अगर साथ चलेंगे तो किसी का नुकसान नहीं होगा। 2023 में कहा गया था कि इस बिल को जल्दी लागू करो अब हम इसे 2029 से लागू करने वाले हैं तो इसका विरोध किंतु,परंतु व लेकिन कहकर किया जा रहा है। पीएम मोदी यह कहकर कि विपक्ष इस बिल का श्रेय ले ले लेकिन बिल का समर्थन करे। यह महिलाओं का हक है, वह महिलाओं को उसका हक दे दे ।उन्होंने विपक्ष को आगाह भी किया कि जिसने भी अबतक महिला आरक्षण बिल का विरोध किया है,महिलाओं ने उसकी बुरी गत है, इसलिए इसका विरोध कोई खुले तौर पर नहीं करता है लेकिन किंतु परंतु करता है।

संसद मे ऐसा कहकर देश की महिलाओं को यह संदेश देने का काम किया है कि हम तो महिलाओं को आरक्षण जल्द से जल्द देने का प्रयास कर रहे हैं इसमें पहले भी विपक्ष ने बाधा डाली है और आज भी बाधा डालने का प्रयास रहा है। पीएम मोदी व शाह के राजनीतिक दांव को विपक्ष समझ नहीं पाता है और मोदी व शाह जैसा चाहते हैं उसका विरोध करते हैं और जनता की नजर में हर अच्छी बात का विरोधी बन कर रह जाते हैं और हर अच्छे काम का श्रेय जनता मोदी सरकार को दे देती है। महिला आरक्षण का श्रेय भी आखिर में पीएम मोदी को ही मिलेगा क्योंकि विपक्ष को मजबूरी में ही सही महिलाआरक्षण व परिसीमन का समर्थन करना होगा।

मोदी तो यही चाहते हैं कि विपक्ष समर्थन करे और सरकार के साथ श्रेय ले। विपक्ष ऐसा नहीं करता है और महिला आरक्षण महिलाओं को नहीं मिलता है तो इसका फायदा भी मोदी व शाह को होगा क्योंकि वह तो पहले साफ कर चुके हैं वह तो जल्द से जल्द महिलाओं को आरक्षण देना चाहते हैं, इसके लिए संशोधन विधेयक व परिसीमन विधेयक लाया गया है। मोदी सरकार इस बात को समझती है कि वह महिला आरक्षण विधेयक व परिसीमन विधेयक अलग अलग लाती तो विपक्ष महिला आरक्षण का समर्थन करता और परिसीमन का नहीं करता। अब सरकार ने दोनों को जोड़ दिया है कि यानी की परिसीमन के बाद ही महिलाओं का आरक्षण का लाभ मिलेगा यदि विपक्ष परिसीमन का विरोध करता है तो महिला आरक्षण भी पास नहीं होगा। ऐसे महिलाओं का आरक्षण का लाभ मिलने का नुकसान विपक्ष को होगा और फायदा भाजपा व मोदी को होगा। अब कांग्रेस सहित विपक्ष की परेशानी यह है कि मोदी व शाह का दांव ऐसा है कि उसको दोनों तरह से मोदी से कम फायदा होगा यानी मोदी को ज्यादा फायदा होगा।

पीएम मोदी राजनीतिक फायदा कैसे उठाया जा सकता इसकी योजना बहुत पहले बना लेते हैं। इतना पहले बना लेते हैं कि विपक्ष को अंदाजा नहीं होता है कि पीएम मोदी ऐसा भी कर सकते हैं ।कोई सोच नहीं सकता थी कि एक तरफ संशोधन विधेयक पर चर्चा हो रही होगी और दूसरी तरफ सरकार 2023 में पास महिला आरक्षण विधेयक की अधिसूचना जारी कर देगी। बहुत से लोगों को यह समझ नहीं आया कि सरकार ने ऐसा क्यों किया ।असल बात यह है कि 2023 का नारीशक्तिवंदन अधिनियम पास होने के बाद अधिनियम तो बन गया था लेकिन वह लागू नहीं हुआ था, उसके लागू होने के लिए जरूरी था कि सरकार राजपत्र में उसे अधिसूचित करे ।अधिसूचना के बाद यह अब 106 वां संशोधन बन गया है ।अभी जो नया संशोधन बिल संसद में लाया गया है, वह तब ही काम करेगा जब पिछला कानून लागू हो चुका हो। इसलिए पहले कानून का लागू किया गया है उसके बाद सरकार ने संशोधन कानून लाया है। यानी अब जो होगा पुराने कानून में संशोधन के रूप में होगा ।सरकार का इससे फायदा यह है कि नया संशोधन कानून संसद से पारित नहीं होता है तो पुराना महिला आरक्षण कानून तो बचा रहेगा।

पत्रकारिता सिर्फ सूचनाओं का हस्तांतरण नहीं न्याय की पक्षधरता है

संजय उवाच
प्रो. संजय द्विवेदी

विकास और सुशासन के मुद्दों पर भी काम करे मीडिया-प्रो .संजय द्विवेदी

मीडिया की ताकत आज सर्वव्यापी है और कई मायनों में सर्वग्रासी भी। ऐसे में विकास के सवालों और उसके लोकव्यापीकरण में मीडिया की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो उठी है। यह एक ऐसा समय है, जबकि विकास और सुशासन के सवालों पर हमारी राजनीति में बात होने लगी है, तब मीडिया में यह चर्चाएं न हों यह संभव नहीं है। समाज विकास की प्रक्रिया और उसकी आकांक्षाएं मीडिया में दर्ज हों, ऐसी उम्मीद की जाती है। इन विषयों की रिपोर्टिंग के लिए तमाम पत्रकार आगे आ रहे हैं। वैश्विक स्तर पर भी विकास की पत्रकारिता को एक नई नजर से देखा जा रहा है। भारत में विकास की पत्रकारिता और उसके सवालों से जूझने के लिए पत्रकारों की एक पूरी पीढ़ी तैयार है, किंतु मुख्यधारा के मीडिया के द्वारा इन विषयों को तरजीह न दिए जाने के कारण निराशा ही हाथ लगती है। संकट पत्रकारों की ओर से नहीं, मीडिया संस्थानों और प्रबंधकों की ओर से है। विकास का मुद्दा क्या सिर्फ सरकारी विज्ञापनों का विषय है, सरकारी मीडिया का विषय है, या यह समाज में हो रहे नवाचारों का भी विषय है। विकास पत्रकारिता को पाठ्यक्रम के साथ मीडिया कर्म का भी हिस्सा होना चाहिए।

भारत जैसे विविधता और बहुलता भरे समाज में सभी उम्मीदों, सपनों और बदलावों को रेखांकित कर पाना कठिन है। क्योंकि विकास के अनेक तल हैं और देश में समाज की रचना भी बहुस्तरीय है, देश में कहावत प्रचलित है चार कोस पर पानी बदले आठ कोस पर वाणी, इसलिए किसी राज्य को भी एक ही पैमाने से नहीं नापा जा सकता। जैसे मध्य प्रदेश में एक तरफ समृद्ध मालवा है, तो दूसरी और झाबुआ जैसे इलाके भी हैं। एक तरफ इंदौर की चमक है, तो दूसरी ओर अलीराजपुर जैसे क्षेत्र भी हैं। छत्तीसगढ़ में अबूझमाड़ है, तो भिलाई भी है। ऐसे में पत्रकारों या विकास के सवालों पर लिखने वालों की चुनौतियां बढ़ जाती हैं। इसी तरह विकास की भूमिका भी यहां विस्तृत और परिवर्तित हो जाती है। हम देखें तो 1950 के पहले आर्थिक विकास हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण था। किंतु 1950 के बाद की चिंताएं अलग हो गयी। बाद के दिनों में सामाजिक विकास को एक बड़ा कारक माना जाने लगा है। सामाजिक न्याय से लेकर स्थाई विकास के सवाल अब बड़े हो गए हैं। यहां तक कि पर्यावरण और ग्लोबल वार्मिंग जैसी चीजें भी हमारे सामने हैं।

एक समय में विकसित और विकासशील देशों की बहसें भी हमने सुनीं जिनमें मैकब्राइड कमीशन की रिपोर्ट एक अलग तरह से बात करती हुयी नजर आती है, जिनमें कुछ सवाल आज भी मौजू हैं। नियंत्रित मीडिया से मीडिया के चौतरफा विकास का समय भी आया जिसमें कुछ भी छिपाना और दबाना असंभव सा हो गया। कई बार यह भी लगता रहा कि विकास का सवाल सिर्फ सरकारी माध्यमों (मीडिया) के लिए ही महत्व का है, बाकी माध्यमों का अपना एजेंडा और राय अलग है। यहां यह भी देखना जरूरी है कि कम्युनिकेशन(संचार) सिर्फ सूचनाओं का हस्तांतरण नहीं है। बल्कि पक्षधरता के साथ, न्याय के लिए खड़ा होना भी है। जन को ताकतवर बनाना भी है। अवसर की समानता की अवधारणा को प्रचारित और स्थापित करना भी है।

विकेन्द्रीकरण ने विकास के सामने कई नए प्रश्न खड़े किए हैं। जिनके भी ठोस और वाजिब हल हमें ढूंढने चाहिए। जैसे पंचायती राज में भारत ने एक लंबी छलांग लगाई है। सत्ता इसके चलते पंचायतों तक पहुंची, पर सवाल यह है कि क्या इससे लोकतंत्र मजबूत हुआ है? क्या संसदीय राजनीति और चुनावों की तमाम बुराईयां हमारी पंचायतों तक नहीं पहुंच गयी? वहीं हम मीडिया को देखें तो उसका भी विस्तार हुआ है। व्यापकता बढ़ी है, पहुंच भी बढ़ी है। पर सवाल यह है कि क्या मीडिया में संवेदनशीलता, ग्रहणशीलता और विविधता को आदर देने की उसकी भावना भी बढ़ी है, तो शायद उत्तर नकारात्मक ही हो। तीनों तंत्रों (कायर्पालिका, विधायिका और न्यायपालिका) से निराश लोग मीडिया की ओर बहुत उम्मीदों से देखते हैं। कई अर्थों में सत्ता का तो विकेन्द्रीकरण दिखता है, किंतु मीडिया धीरे-धीरे केन्द्रीकरण का शिकार हो रहा है। इसलिए जरूरी है क्रास मीडिया ओनरशिप के बारे में भी भारत जैसे देश सोचें। ताकि मीडिया के एकाधिकार के खतरों से बचा जा सके। इसके साथ ही प्रेस कौंसिल जैसी नख-दंत हीन संस्था के अधिकारों और क्षेत्राधिकार में बदलाव करते हुए उसे मीडिया कौंसिल में बदला जाना जरूरी है ताकि वह आज के प्रभावी मीडिया को भी अपनी चर्चा में ले सके।

हम जिस संकट से दो चार हैं, वह यह है कि सूचनाएं बढ़ गई हैं और खबरें घट गई हैं। अखबारों के पन्ने बढ़ गए हैं, किंतु इनसे आम-आदमी गायब है। चैनल अब चौबीस घंटे कुछ बोलते हैं, पर उनमें विकास और जनता के सवालों की जगह बहुत कम है। जबकि विकास की पत्रकारिता की मुक्ति इसमें है कि जो लोग मीडिया तक नहीं पहुंच सकते, मीडिया उन तक पहुंचे। उनका दर्द सुने। अच्छी और उम्मीद जगाने वाली खबरों की ओर जाएं।

हमारी राजनीति बदल रही है, हमारा समाज बदल रहा है किंतु हमारे मीडिया के सोचने और अभिव्यक्त करने की शैली उस तुलना में नहीं बदली जैसी बदलनी चाहिए। आज यह मान्यता बन चुकी है कि विकास भारतीय मीडिया की प्राथमिकता नहीं है, शायद समाज भी उसकी प्राथमिकता नहीं है। हमारे नागरबोध ने मीडिया को समाज से बड़ा बना दिया है। किंतु यह तय मानिए कि कोई भी मीडिया, कोई भी राजनीति और कोई भी व्यक्ति समाज से बड़ा नहीं हो सकता। 18 से 25 साल और 18 से 35 साल के युवाओं के बीच बाजार खोज रहे मीडिया की चिताएं अलग हो सकती हैं किंतु समाज की चिताएं कुछ भिन्न हैं। वे ही वास्तविक चिंताएं हैं। मीडिया अगर इन चिंताओं से अलग व्यवहार कर रहा है तो वह अपने अस्तित्व पर संकट स्वयं रच है। विश्वसनीयता और प्रामणिकता के संकट तो उसके साथ संयुक्त हैं ही। मीडिया के नेतृत्वकर्ताओं के लिए यह सोचने का सही समय है कि जब सारा देश विकास और सुशासन के सवालों पर गंभीर हो रहा है, उसमें अपने शासकों से जवाब मांगने की हिम्मत आ रही है, तो हमारा मुख्यधारा का मीडिया क्या कर रहा है? ऐसे तमाम सवाल मीडिया के नेतृत्वकर्ताओं के सामने आज उपस्थिति हैं, अगर इन सवालों के हल हमने आज नहीं तलाशे तो कल बहुत देर हो जाएगी।

(लेखक माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल में जनसंचार विभाग के अध्यक्ष हैं।)

युद्ध, बच्चे और हमारी सामूहिक विफलता

प्रश्न यह नहीं है कि युद्ध कहां और क्यों हो रहे हैं, बल्कि यह है कि उन बच्चों के प्रति हमारी जिम्मेदारी क्या है, जिन्हें हम स्वयं इस संसार में लाते हैं; और जब हम उनके जीवन और सुरक्षा की रक्षा नहीं कर पाते, तब सभ्य समाज होने का हमारा दावा स्वत: ही कठघरे में खड़ा हो जाता है।

हाल ही में नई दिल्ली स्थित ईरान दूतावास में एंजेल्स ऑफ मिनाब नाम से एक प्रदशर्नी आयोजित की गई है, जिसमें उन छोटे बच्चों की बनाई तस्वीरों को प्रदर्शित किया गया है, जो ईरान के मिनाब शहर के एक स्कूल के मलबे से बरामद हुई थीं। ये चित्र उस त्रासदी के साक्ष्य हैं, जिसमें एक हमले के दौरान अनेक बच्चों और अन्य नागरिकों की जान चली गई। यह प्रदशर्नी केवल कलात्मक अभिव्यक्ति का मंच नहीं है, बल्कि उन बच्चों के मौन को दर्ज करने का माध्यम है, जो इस घटना के बाद बोलने के लिए जीवित नहीं रहे। इन चित्रों को देखने पर यह स्पष्ट होता है कि वयस्कों के राजनीतिक और सैन्य संघर्षो के बीच बच्चों का जीवन सबसे पहले और सबसे आसानी से नष्ट होता है। यह स्थिति किसी एक घटना तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस व्यापक व्यवस्था का संकेत है, जिसमें बच्चों का अस्तित्व और सुरक्षा लगातार उपेक्षित रहते हैं। यह केवल एक घटना का विवरण नहीं, बल्कि उस व्यापक वास्तविकता की ओर संकेत है, जिसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर किए गए आकलन भी रेखांकित करते हैं।

यूनिसेफ द्वारा जारी हालिया आकलन में, यूनिसेफ स्टैंड्स विद ईरान्स चिल्ड्रेन ऐज सीजफायर ऑफर्स पाथ टू रिकवरी के संदर्भ में यह स्पष्ट रूप से दर्ज किया गया है कि वर्ष 2026 के आरंभिक महीनों में ईरान में दर्ज सैन्य हमलों और उनसे उत्पन्न मानवीय परिस्थितियों के दौरान 1100 से अधिक बच्चे मारे गए या घायल हुए हैं, और इन घटनाओं के प्रभाव बच्चों के जीवन पर लंबे समय तक बने रहने की आशंका है। यूनिसेफ ने यह भी रेखांकित किया है कि इन परिस्थितियों का सबसे अधिक और सबसे गहरा असर बच्चों पर पड़ा है। वे न केवल शारीरिक क्षति का सामना कर रहे हैं, बल्कि भय, असुरक्षा और दीघर्कालिक मनोवैज्ञानिक आघात के साथ जीवन जीने के लिए विवश हैं। यूनिसेफ के अनुसार, जिन बच्चों का स्थान विद्यालयों और सुरक्षित पारिवारिक वातावरण में होना चाहिए था, वे आज विस्थापन, अस्थिरता और बुनियादी सुविधाओं के अभाव के बीच जीवन व्यतीत कर रहे हैं। अनेक बच्चों ने अपने परिजनों को खो दिया है और जो जीवित हैं, उनके लिए सामान्य जीवन की संभावना भी गंभीर रूप से बाधित हो चुकी है। यह स्थिति केवल एक मानवीय संकट नहीं, बल्कि उस वैश्विक व्यवस्था की गहरी विफलता को भी रेखांकित करती है, जो बच्चों की सुरक्षा के दावों के बावजूद उन्हें सबसे अधिक असुरक्षित छोड़ देती है। यह स्थिति केवल वतर्मान परिदृश्य का संकेत नहीं देती, बल्कि उस गहरी मानवीय त्रासदी की ओर भी इंगित करती है, जिसे सभ्य समाज ने अपनी आकांक्षाओं की आड़ में उपेक्षित कर दिया है। वर्ष 1956 में प्रकाशित पुस्तक द्यनाइटद्व इस त्रासदी को समझने के लिए एक महत्वपूर्ण दस्तावेज के रूप में सामने आती है, जिसमें एली विजेल ने अपने जीवन के उन अनुभवों को दर्ज किया है, जिन्हें उन्होंने मात्र 15 वर्ष की आयु में स्वयं जिया। ट्रांसिल्वेनिया के सिघेट शहर में जन्मे इस बालक को 1944 में उसके परिवार सहित उसके निवास-स्थान से हटाकर ऑशविट्ज और बाद में बुचेनवाल्ड जैसे यातना शिविरों में भेज दिया गया। यह कृति केवल एक व्यक्ति की स्मृतियों का संकलन नहीं है, बल्कि उस व्यापक मानवीय संकट का प्रमाण है, जिसमें एक बालक का बचपन, विश्वास और जीवन-बोध एक साथ विखंडित हो जाते हैं।

विजेल लिखते हैं कि मैं उन लपटों को कभी नहीं भूल सकता, जिन्होंने मेरे विश्वास को सदा के लिए समाप्त कर दिया; मैं उस सन्नाटे को कभी नहीं भूल सकता, जिसने मुझसे जीवन की इच्छा छीन ली; और मैं उन क्षणों को कभी नहीं भूल सकता, जिन्होंने मेरी आत्मा को नष्ट कर मेरे सपनों को राख में बदल दिया। यह कथन केवल एक बालक की व्यक्तिगत स्मृति नहीं है, बल्कि उन असंख्य बच्चों की सामूहिक पीड़ा का प्रतिनिधित्व करता है, जो युद्ध और हिंसा के बीच अपने अस्तित्व से पहले ही वंचित हो जाते हैं।

युद्ध की त्रासदी का एक अन्य आयाम उस समय सामने आता है, जब हम ए डायरी ऑफ अ यंग गर्ल को देखते हैं, जिसे ऐन फ्रैंक ने 1942 से 1944 के बीच, लगभग दो वर्षों तक, उस अवधि में लिखा जब वह अपने परिवार के साथ नाजी उत्पीड़न से बचने के लिए एक बंद स्थान में छिपकर रहने के लिए विवश थी। लगभग 13 से 15 वर्ष की आयु के बीच लिखी गई यह डायरी एक ऐसी बालिका के जीवन का सजीव दस्तावेज है, जो निरंतर भय, असुरक्षा और सीमित परिस्थितियों के बीच भी अपने सामान्य जीवन और सपनों को बनाए रखने का प्रयास कर रही थी। ऐन फ्रैंक की मृत्यु के उपरांत यह डायरी 1947 में प्रकाशित हुई, और यह केवल एक बालिका की स्मृतियों का संकलन भर नहीं है, बल्कि उन असंख्य बच्चों के जीवन की प्रतिनिधि कथा है, जिन्हें युद्ध ने असमय ही समाप्त कर दिया।

कार्यस्थल पर भयावह

नासिक यौन उत्पीड़न मामले से सुरक्षा खामियां उजागर

देश की एक प्रमुख आईटी कंपनी की नासिक शाखा में यौन उत्पीड़न और जबरन धर्म परिवर्तन के प्रयासों के चौंकाने वाले आरोप परेशान करने वाले हैं। निस्संदेह, यह प्रकरण बेहद गंभीर है और इन आरोपों ने कार्यस्थल की सुरक्षा जैसे नजरअंदाज किए जा रहे महत्वपूर्ण मुद्दे पर फिर देश का ध्यान आकर्षित किया है। यह आरोप है कि पुरुष कर्मचारियों का एक समूह महिला सहकमिर्यों को निशाना बनाने के लिए एक द्यसंगठित गिरोह की तरह काम कर रहा था। निश्चित रूप से यह घटनाक्रम कंपनी प्रबंधन की उस घोर लापरवाही को ही उजागर करता है जिस के चलते समय रहते इस तरह के यौन उत्पीड़न व धर्म परिवर्तन की कोशिशों पर अंकुश नहीं लग सका। यह विडंबना ही है कि मानव संसाधन प्रबंधक ने कथित तौर पर पीड़िता को शिकायत दर्ज कराने से यह कहकर रोका कि झ्द्यऐसी चीजें होती रहती हैं।

आक्षेप लगाया गया है कि इस प्रकरण में आरोपी का ही पक्ष लिया गया। निश्चित तौर पर यह दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम कॉपीरेट जगत में व्याप्त विद्रूपताओं और एक गहरी तथा व्यापक विफलता की ओर ही इशारा करता है। जबकि दावा यह किया जाता रहा है कि कॉपीरेट जगत की प्राथमिकता कमर्चारियों की सुरक्षा और गरिमा को सुनिश्चत करना है। इसमें दो राय नहीं है कि जब यौन उत्पीड़न रोकथाम ढांचे को लागू करने के लिये जिम्मेदार उच्च पदों पर आसीन व्यक्तियों पर दुर्व्यवहार को सामान्य या मामूली बात समझने का आरोप लगता है, तो सारे संस्थागत सुरक्षा उपाय ध्वस्त हो जाते हैं। निर्विवाद रूप से यह एक दुर्भाग्यपूर्ण प्रवृत्ति है, जब पीड़ित महिला कर्मचारी को न केवल अपराधियों द्वारा बल्कि उनकी सुरक्षा का दायित्व संभालने वालों द्वारा भी चुप कराने के प्रयास किये जाते हैं। एक बार फिर से पुलिस के हस्तक्षेप और परामर्श के बाद ही कई पीड़ित महिला कर्मचारियों ने आगे आने का साहस जुटाया है। जिसके बाद ही मामले में प्राथमिकी दर्ज हो पायी है।

बहरहाल, इस दुर्भाग्यपूर्ण प्रकरण को लेकर एक असहज करने वाला प्रश्न यह उठता है कि क्यों भय, सामाजिक कलंक अथवा संस्थागत उदासीनता के कारण देश भर के विभिन्न कार्यस्थलों में ऐसे कितने ही यौन उत्पीड़न के मामले उजागर नहीं हो पाते हैं? इसमें दो राय नहीं कि इस मामले में जांच बिना किसी पुर्वाग्रह के आगे बढ़नी चाहिए। निर्विवाद रूप से आईटी कंपनी के नासिक प्रकरण में सांप्रदायिक या राजनीतिक रंग देने का प्रयास इस संकट की मूल चिंताओं को धूमिल करने का जोखिम जरूर पैदा कर सकता है।

निस्संदेह, ऐसी घटनाओं को धार्मिक या वैचारिक नजरिये से देखना कॉपीरेट जवाबदेही और लैंगिक संवेदनशीलता वाले सुधारों की तत्काल आवश्यकता से ध्यान भटका सकता है। इस संवेदनशील विषय पर नजर रखने वाले तर्क देते हैं कि उत्पीड़न को संप्रदाय विशेष के अपराध के रूप में देखने के बजाय, इसे एक अधिकारी द्वारा अपने अधिकार के दुरुपयोग के रूप में देखा जाना चाहिए, जो किसी भी संस्थान में पारदर्शिता और प्रवर्तन की कमी वाले वातावरण में ही पनपता है। इस विचलित करने वाले प्रकरण में अधिकारियों की प्रतिक्रिया, जिसमें एक विशेष जांच दल का गठन भी शामिल है, स्वागत योग्य है। वहीं दूसरी ओर इस मामले में महिला आयोग द्वारा भी एक स्वतंत्र जांच की जा रही है, जो कि एक सराहनीय कदम कहा जा सकता है।

हालांकि, कॉपीरेट जगत से जुड़े कार्यालयों में स्थायी परिवर्तन तभी संभव होगा जब कंपनियां ऐसे मामलों में शून्य सहिष्णुता की घोषणा करेंगी। इसके साथ ही जरूरत इस बात की भी कि कार्यालयों में ऐसा निर्भयतापूर्ण वातावरण तैयार किया जाए कि कोई भी महिला कमर्चारी बिना डर के बोलने के लिये सशक्त बन सके। उन्हें सशक्त बनाने के लिये आंतरिक तंत्र को सक्रिय रूप से मजबूत बनाने की जरूरत है। इसके अलावा यह भी जरूरी है कि कंपनियों का शीर्ष प्रबंधन गाहे-बगाहे यह पड़ताल करता रहे कि सर्वाधिकार प्राप्त कोई अधिकारी असीमित अधिकारों की आड़ में उत्पीड़न के अपवित्र खेल में शामिल तो नहीं है। एक पारदर्शी व सतर्क व्यवस्था भविष्य में ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगा सकती है।

रामगढ़ पहाड़ी पर स्थित है एशिया की प्राचीनतम नाट्यशाला

आज 'विश्व विरासत दिवस' पर विशेष

डॉ. देवेन्द्र नाथ शर्मा

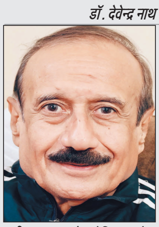

छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के मुख्यालय अंबिकापुर से 60 किलोमीटर दूर स्थित है रामगढ़ पहाड़ी ' रामगढ़ पहाड़ी पर दो गुफाएं हैं ; एक सीताबेंगरा और दूसरी जोगीमारा ' रामगढ़ की पहाड़ी को रामगिरी भी कहा जाता है क्योंकि यह लोक मान्यता है कि भगवान राम ने बनवास के दौरान इस पहाड़ी पर कुछ समय बिताया था ' उत्तरी गुफा को सीताबेंगरा अर्थात सीता का कमरा माना जाता है।'

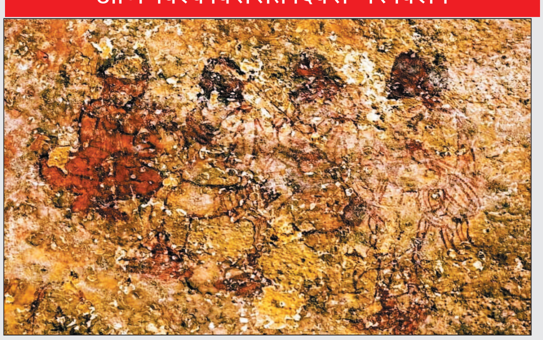

तीसरी-दूसरी शताब्दी (ईसा पूर्व) काल की मानी जाने वाली सीताबेंगरा वास्तव में नाटक, गीत और काव्य पाठ के प्रदर्शन के लिए बनी जगह थी' सामने मंच और पीछे दशर्कों के बैठने की व्यवस्था की इसकी बनावट यूनानी रंगमंच जैसी है' पास में स्थित जोगीमारा गुफा उन कलाकारों का विश्राम स्थल रही होगी, जो सीताबेंगरा में प्रदर्शन करते थे' (पुरातत्ववेत्ता डॉ थियोडोर ब्लोज, 1904)' प्राचीन भित्तिचित्रों के लिए प्रसिद्द जोगीमारा गुफा में ब्राह्मी लिपि में लिखे गए अभिलेख में प्रेम, भक्ति और कला की झलक मिलती है 'यह भारत के अब तक ज्ञात सबसे पुराने भित्तिचित्र माने जाते हैं; हालाकि यह चित्र समय और नमी से खराब हो चुके हैं पर अभी भी इनमें पेड़, हाथी, रथ और नृत्य करती हुई नारियां को चित्रों में पहचाना जा सकता हैं 'चित्रों में लाल, पीले और दूसरे रंगों का प्रयोग हुआ है जो मौर्य कालीन कला की परंपरा का संकेत देते हैं ।इन चित्रों की प्रतिलिपियां तैयार करने वाले अध्येता असित कुमार हलधर (1914) के निष्कर्ष के अनुसार यह भित्तिचित्र दो अलग-अलग कालखंडों के हैं, पहले तीसरी-दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व का अत्यंत परिष्कृत चित्रण कार्य और दूसरा, कई शताब्दियों के बाद का अपेक्षाकृत साधारण चित्रण 'हलधर के अनुसार जोगीमारा की दीवारों पर सुतनुका का नृत्यगृह शब्द का उल्लेख है 'शिलालेख में उल्लेख है कि सुतनुका नामक देवदासी ने इस स्थल को नारियों के विश्राम स्थल के रूप में बनवाया था 'इससे यह अनुमान लगाया जाता है कि जोगीमारा गुफा सीताबेंगरा में नृत्य प्रदर्शन करने वाली स्त्रियों का विश्राम स्थल रही होगी '

1848 में लेफ्टिनेंट कर्नल जे आर ओसले ने रामगढ़ गुफाओं का पहला उल्लेख करते हुए पहाड़ी की चोटी पर स्थित मंदिर और एक बड़ी सुरंग का वर्णन किया ' लेफ्टिनेंट-कर्नल टी डाल्टन 1863-64 में और उसके बाद वी वॉल ने 1872 में रामगढ़ की पहाड़ियों का सर्वेक्षण किया ' 1874-75 में जेड वैगलर ने इन्हें रामायण के चित्रकूट से जोड़ा ' अलेक्जेंडर कनिंघम ने 1871 में शिलालेख प्रकाशित कर बताया कि एक मूतिर्कार देवदीना ने किसी देवदर्शिन व्यक्ति नामक व्यक्ति के लिए यह लेख उकेरे हैं ' दिसंबर 1964 में भारत सरकार ने इन गुफाओं को राष्ट्रीय महत्व का मानते हुए इन्हें संरक्षित क्षेत्र घोषित कर दिया था।

रामगढ़ की पहाड़ी को यहां का आदिवासी समुदाय इस देव पहाड़ कहते हैं 'यह स्थानीय जनजाति समाज की आस्था का प्रतीक भी है 'उनके लिए यह कोई पत्थर नहीं बल्कि एक जीवित देवता है 'पहाड़ी पर एक राम जानकी मंदिर भी है 'यह बहु-प्रचलित मान्यता है कि राजा भोज की उज्जयनी को छोड़ कर महाकवि कालिदास ने यहाँ आकर इसी रामगढ़ की पहाड़ी को अपना आश्रय बनाया था और यहीं पर उन्होंने अपने महाकाव्य मेघदूतम की रचना की थी 'आषाढ़ के पहले दिन यहां बादलों की पूजा अचर्ना की जाती है 'हर साल इस दिन आसपास के गांवों के आदिवासी यहां पूजा करने आते हैं ' राज्य सरकार ने महाकवि कालिदास की प्रतिमा भी यहाँ स्थापित की है, जिसमे महाकवि कालिदास अपने हाथ में मेघदूतम लिए हुए हैं।'

(लेखक सेवानिवृत प्रोफेसर और इंटेक के आजीवन सदस्य हैं)

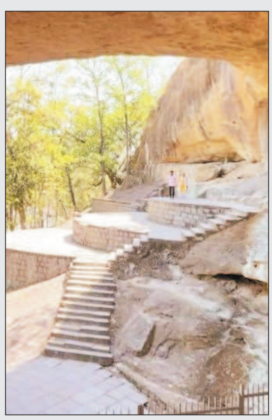

घुलनशील और अघुलनशील फाइबर का अच्छा स्रोत है भिंडी का पानी

गर्मी के सीजन में मिलने वाली भिंडी में शरीर के लिए सभी जरूरी पोषक तत्व शामिल होते है। भिंडी में सिर्फ 30 प्रतिशत कैलोरी मिलती है। भिंडी में फाइबर, विटामिन-बी6 और फोलेट की भरपूर मात्रा होती है। विटामिन-बी डायबिटीक न्यूरोपैथी को बढने से रोकता है और होमोसिस्टाइन का लेवल कम करता है, जो शरीर में डायबिटीज का एक प्रमुख कारण माना जाता है। साथ ही, भिंडी के पानी में घुलनशील फाइबर पाया जाता है जो शरीर में शुगर को स्थिर रखता है। भिंडी में ना सिर्फ कम कैलोरी पाई जाती है, बल्कि ये पानी में घुलनशील और अधुलनशील फाइबर का भी बहुत अच्छा स्रोत है। इस एलिमेंट की वजह से शरीर में फाइबर देरी से टूटता है और खून में शुगर बहुत धीमी गति से रिलीज होता है। यही कारण है कि भिंडी शरीर का ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल रखती है। इसके अलावा, भिंडी का ग्लाइसेमिक इंडेक्स (त्रढ्ढ) भी काफी कम होता है और ये बात साबित हो चुकी है कि कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाली चीजें हमारा ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल रखती हैं। अमेरिकन डायबिटीज एसोसिएशन भी डायबिटीज के मरीजों के लिए भिंडी को एक बहुत अच्छा विकल्प मानते हैं।

घर में ऐसे बनाएं भिंडी का पानी

5-6 मीडियम आकार की भिंडी लेकर इनके किनारे काट लें। भिंडी को बीच से काट लें और फिर एक से दो कटोरी पानी में भिगो दें। रात भर या 4-5 घंटे इनको ऐसे ही रहने दें। इसके बाद भिंडी के टुकड़े निचोड़ कर निकाल लें। फिर इसमें थोड़ा सादा पानी मिलाएं ताकि पानी की मात्रा करीब एक गिलास हो जाए।

एक गिलास भिंडी के पानी में -

कार्बोहाइड्रेट-6 ग्राम
फोलेट-80 माइक्रोग्राम
फाइबर-3 ग्राम प्रोटीन-2 ग्राम

भिंडी के पानी के और फायदे

- अगर आपको गुर्दे संबंधी कोई भी समस्या हो। रोजाना खाली पेट एक गिलास भिंडी का पानी पिएं। आपको फर्क नजर आ जाएगा।
- अगर आप अपना वजन कम करना चाहते है, तो इसमें भिंडी का पानी काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। लगातार एक माह इसका सेवन करने से आपको फर्क नजर आ जाएगा।
- कोलेस्ट्राल कम करने में भिंडी का पानी मददगार है। रोजाना भिंडी के पानी का सेवन करने से आपको हार्ट अटैक का खतरा काफी हद तक कम हो जाता है।
- भिंडी में विटामिन ए भरपूर मात्रा में पाया जाता है। यह तत्व पानी के जरिए शरीर में जाता है जिससे आंखों की रोशनी बढ़ती है।
- शरीर में हीमोग्लोबिन की कमी को पूरा करता है भिंडी का पानी। भिंडी के पानी से आपकी बॉडी में रेड ब्लड सेल्स की मात्रा तेजी से बढ़ेगी।

बनानी है तगड़ी बॉडी? हद से ज्यादा प्रोटीन देंगी ये चीजें

वेट लॉस में प्रोटीन जरूरी है क्योंकि यह पेट देर तक भरा रखता है जिससे ओवरईटिंग कम होती है, वजन कम करते समय मसल्स को टूटने से बचाता है और शरीर इसे पचाने में ज्यादा कैलोरी खर्च करता है। वर्कआउट के बाद बॉडी जल्दी रिकवर होती है, जिससे आप नियमित एक्सरसाइज कर पाते हैं और वेट लॉस तेज होता है। अगर आप वजन कम करना चाहते हैं लेकिन रोज की प्रोटीन जरूरत भी पूरी करना चाहते हैं, तो कुछ लो-कैलोरी नॉन-वेज प्रोटीन ऑप्शन बताए हैं जो बिना वजन बढ़ाए मसल्स बढ़ाने में मदद करते हैं।

प्रोटीन के लिए क्या खाना चाहिए

वेट लॉस में प्रोटीन जरूरी है क्योंकि यह पेट देर तक भरा रखता है जिससे ओवरईटिंग कम होती है, वजन कम करते समय मसल्स को टूटने से बचाता है और शरीर इसे पचाने में ज्यादा कैलोरी खर्च करता है। वर्कआउट के बाद बॉडी जल्दी रिकवर होती है, जिससे आप नियमित एक्सरसाइज कर पाते हैं और वेट लॉस तेज होता है। अगर आप वजन कम करना चाहते हैं लेकिन रोज की प्रोटीन जरूरत भी पूरी करना चाहते हैं, तो गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ. पॉल मणिक्कम ने कुछ लो-कैलोरी नॉन-वेज प्रोटीन ऑप्शन बताए हैं जो बिना वजन बढ़ाए मसल्स बढ़ाने में मदद करते हैं।

प्रोटीन वजन घटाने में कैसे मदद करता है?

प्रोटीन खाने से भूख कम लगती है और कुल कैलोरी अपने आप कम होती है। प्रोटीन को पचाने में शरीर ज्यादा कैलोरी खर्च करता है, जिससे वजन तेजी से घटता है। यह एनर्जी लेवल को बेहतर रखता है, शरीर में जमा पानी व ग्लाइकोजन थोड़ा कम करता है, वर्कआउट के बाद सॉरनेस घटाता है और वजन घटाते समय मसल्स को सुरक्षित रखकर मेटाबॉलिज़्म को मजबूत बनाता है।

बॉडी बनाने के लिए कितना प्रोटीन जरूरी?

मसल्स बनाने और उन्हें बनाए रखने के लिए 1.2 से 1.6 ग्राम प्रोटीन प्रति किलो वजन जरूरी है। अगर इसके साथ रेगुलर स्ट्रेंथ ट्रेनिंग भी की जाए, तो रिजल्ट और भी अच्छे मिलते हैं। लीन नॉन-वेज प्रोटीन शरीर में अमीनो एसिड जल्दी पहुंचाते हैं, जिससे रिकवरी तेज होती है।

प्रोटीन के बेस्ट नॉन-वेज ऑप्शन

व्हाइट फिश जैसे तिलापिया, कॉड, पम्फ्रेट और मैकरल ओमेगा-3 से भरपूर होती हैं जबकि झींगा और प्रॉन्स सेलेनियम से भरपूर, जल्दी पकने वाले और आसानी से पचने वाले होते हैं। एग व्हाइट और चिकन ब्रेस्ट सबसे लीन और कम कैलोरी वाले प्रोटीन स्रोत हैं। उन्होंने सलाह दी कि ड्रमस्टिक और विंग्स से बचें क्योंकि इनमें प्रोटीन तो होता है लेकिन ज्यादा फैट होने के कारण कैलोरी भी बहुत होती है।

लो-कैलोरी नॉन-वेज प्रोटीन

सबसे अच्छे लो-कैलोरी नॉन-वेज प्रोटीन ऑप्शन में टर्की ब्रेस्ट, लीन पोर्क कट्स जैसे टेंडरलॉइन और लॉइन चॉप्स, व्हाइट फिश जैसे तिलापिया, कॉड, हैडॉक, पोलक और सोल, एग व्हाइट और शेलफिश जैसे झींगा, क्रैब, लॉब्स्टर और क्लैम्स शामिल हैं।

लो कैलोरी डेयरी प्रोटीन ऑप्शन

इसके अलावा, स्किम्ड मिल्क, नॉन-फैट ग्रीक योगर्ट, लो-फैट पनीर और रिकोटा चीज भी कम कैलोरी में प्रोटीन का अच्छा स्रोत हैं और ये स्नैक्स या पोस्ट-वर्कआउट के लिए बेहतरीन विकल्प हैं।

बिना डॉक्टर की सलाह न लें पेरासिटामोल

साधारण बुखार आने पर भी हम अक्सर पेरासिटामोल का सेवन करते हैं। पेरासिटामोल बुखार के असर को कम करने के लिए एक बेहतरीन दवा मानी जाती है। अक्सर डॉक्टर भी बुखार या दर्द की समय में पेरासिटामोल ही प्रिस्क्राइब करते हैं। कई लोग डॉक्टर की बिना सलाह के भी पेरासिटामोल का सेवन करते हैं। साथ ही कई लोगों को छोटी-छोटी बीमारियों के लिए पेरासिटामोल खाने की आदत होती है। आपको पूरी और सही जानकारी के बिना इसका सेवन बिना डॉक्टर की सलाह से नहीं करना चाहिए।

पेरासिटामोल के साइड इफेक्ट्स

ज्यादा पेरासिटामोल के सेवन से आपको साइड इफेक्ट्स भी हो सकते हैं। आपको एलर्जी, स्किन पर रेशेज या ब्लड डिसऑर्डर जैसी परेशानी हो सकती है। इसके साथ ही पेरासिटामोल के गलत इस्तेमाल से लिवर और किडनी डैमेज होने का खतरा भी रहता है। पेरासिटामोल के ओवरडोज से डायरिया, ज्यादा पसीना, भूख की कमी, बेचैनी, उल्टी, पेट में दर्द, सूजन, दर्द, पेट में मरोड़ जैसी समस्या भी हो सकती है।

क्या है पेरासिटामोल?

पेरासिटामोल एक प्रकार की दवाई है जिसे माइल्ड फीवर या दर्द के समय इस्तेमाल किया जाता है। पेरासिटामोल दर्द को जड़ से खत्म नहीं करती है बल्कि दर्द के एहसास को कम करती है। साथ ही बुखार आने पर पेरासिटामोल के सेवन से आपके शरीर का तापमान कम हो जाता है। इसका असर 4-6 घंटे के बीच रहता है। इसके अलावा पेरासिटामोल को इन कारणों की वजह से भी इस्तेमाल किया जाता है;

- कमर दर्द
- सिर दर्द
- माइग्रेन
- मांसपेशियों में जकड़न
- पीरियड्स में दर्द
- दांतों में दर्द
- सर्दी के कारण दर्द

पेरासिटामोल की सही खुराक

अमेरिकी गाइडलाइन के अनुसार एक एडल्ट को 325-650 द्बद्द तक की पेरासिटामोल का सेवन करना चाहिए। इस दवा को 4-6 घंटे के बीच के अंतराल में लेना चाहिए क्योंकि एक खुराक का असर करीब 4-6 घंटे के बीच ही रहता है। गाइडलाइन के अनुसार बुखार में 500 एमजी पेरासिटामोल को 6 घंटे के बाद ही लेना चाहिए। छोटे बच्चे को पेरासिटामोल देते समय बहुत सतर्कता रखनी चाहिए। छोटे बच्चे को 10-15 द्बद्द की खुराक 6 घंटे के समय में देना चाहिए। दर्द की परेशानी को खत्म करने के लिए 500 एमजी की दवा 4 से 6 घंटे के अंतराल पर लेनी चाहिए। वहीं छोटे बच्चे को 10 से 15 एमजी प्रति किलोग्राम शरीर के वजन के हिसाब से 6 से 8 घंटे के बीच लेनी चाहिए।

कब नहीं लेनी चाहिए पेरासिटामोल

गाइडलाइन्स के अनुसार अगर आप 3 दिन से लगातार पेरासिटामोल ले रहे हैं और बुखार नहीं उतर रहा है तो आपको इसका सेवन नहीं करना चाहिए। किसी भी तरह के दर्द में 10 दिन से ज्यादा पेरासिटामोल नहीं लेनी चाहिए। साथ ही अगर आपको लीवर, किडनी, अल्कोहल और अंडर वेट की समस्या है तो आपको डॉक्टर की सलाह के बिना इसका सेवन नहीं करना चाहिए।

शरीर को तरोताजा रखता है नींबू पानी

हमारे शरीर को प्रतिदिन कई सारे विटामिन्स की जरूरत होती है जिनकी कमी होने पर बीमारियाँ आ जाती हैं। इन्हीं विटामिन्स में से एक है विटामिन-सी जो शरीर की इम्यूनिटी बूस्ट करने का काम करता है। गर्मियों के इन दिनों में इसका सबसे अच्छा स्त्रोत माना जाता है नींबू को जिसके उत्पाद बहुत पसंद किए जाते हैं और शरीर को ठंडक प्रदान करते हैं। इस बात की जानकारी सभी को है कि नींबू का सेवन करने से हेल्थ काफी अच्छी रहती है और यह काफी फायदेमंद होता है। नींबू पानी भी शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होता है। गर्मियों में नींबू पानी जरूर पीना चाहिए जिससे शरीर डिडाइड्रेटेड न हो और बॉडी में ताकत बनी रहे। नींबू पानी इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए भी प्रयोग किया जा सकता है। नींबू पानी में कई प्रकार के पोषक तत्व होते हैं, जो शरीर को स्वस्थ रखते हैं। वहीं सुबह खाली पेट इसको पीने से वजन कम करने में बहुत सहायता मिलती है। साथ ही साथ पेट की समस्याओं से भी छुटकारा मिल जाता है। जिनको गैस की समस्या है उनको सुबह हल्के गर्म नींबू पानी का सेवन अवश्य करना चाहिए। नींबू से शरीर को विटामिन सी, पोटैशियम और फाइबर मिलता है। वैसे तो नींबू पानी को किसी भी वक्त पिया जा सकता है लेकिन यह सबसे ज्यादा असरकारक तब होता है जब आपका पेट पूरी तरह से खाली हो अर्थात सुबह उठने के बाद फ्रेश होकर नींबू पानी को पिया जाए तो इसके कई सारे फायदे होते हैं।

ग्लो करती है त्वचा

सुबह नींबू पानी पीने से त्वचा में निखार आता है। रोज नींबू पानी का सेवन करने से चेहरे के दाग धब्बे भी गायब हो जाते हैं। इससे झुर्रियों से भी छुटकारा मिल जाता है। ग्लोइंग स्किन के लिए नींबू पानी बहुत मददगार साबित हो सकता है।

इम्यूनिटी को बढ़ाता है

नींबू में विटामिन सी होता है जिसकी वजह से शरीर की इम्यूनिटी पावर को बढ़ाने में मदद मिलती है। रोज सुबह खाली पेट नींबू पानी पीने से इम्युनिटी पावर को बढ़ाया जा सकता है। ऐसी कई ड्रिंक्स हैं जो इम्यूनिटी को बढ़ा सकती हैं मगर नींबू सबसे सस्ती इम्यूनिटी बूस्टर ड्रिंक है।

ठीक रहता है पाचन तंत्र

नींबू पाचन क्रिया में बहुत मददगार साबित होता है। रोजाना सुबह नींबू पानी पीने से पूरे दिन की पाचन क्रिया को दुरुस्त बनाया जा सकता है। इससे एसिडिटी से भी मुक्ति पाई जा सकती है।

वजन करता है कम

नींबू पानी वजन कम करने में आपकी सहायता कर सकता है। असल में, नींबू में पाया जाने वाला पेक्टिन फाइबर शरीर को भूख फील नहीं होने देता। जिसकी वजह से कोई भी असमय स्नैक्स जैसे फूड्स नहीं खाता। इससे वजन को कम करने में काफी आसानी होती है। साथ ही नींबू पानी शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालकर वजन कम करने में भी मदद करता है।

यूरिक एसिड बढ़ाती हैं ये सब्जियां

यूरिक एसिड बढ़ना एक गंभीर समस्या है जिससे आपको गठिया जैसी दर्दनाक जोड़ों की बीमारी गाउट का खतरा होता है। बढ़ा हुआ यूरिक एसिड लेवल आपकी किडनियों के लिए भी खतरनाक है और यह पथरी बना सकता है। यूरिक एसिड एक गंदा पदार्थ होता है, जो आपके द्वारा सेवन किये गए उन खाद्य पदार्थों से बनता है, जिनमें प्यूरीन की मात्रा अधिक होती है। इसके पाचन होने के बाद ही यूरिक एसिड बनता है। बेहतर सेहत के लिए यूरिक एसिड लेवल को कंट्रोल रखना जरूरी है।

यूरिक एसिड कैसे कम करें?

जाहिर है इसे कंट्रोल करने के लिए आपको उन फूड्स का कम सेवन करना चाहिए जिनमें प्यूरीन की मात्रा कम होती है। हालांकि रोजाना खाई जाने वाली कुछ सब्जियों में प्यूरीन की मात्रा अधिक होती है। बेशक सब्जियां विटामिन, कैल्शियम, आयरन और मिनरल्स का भंडार हैं लेकिन कुछ सब्जियां आपके शरीर में प्यूरीन भरने और उसे यूरिक एसिड बनाकर खून जोड़ों में भरने का काम करती हैं। फैट टू स्लिम की डायरेक्टर और न्यूट्रिशनिस्ट एंड डाइटीशियन शिखा अग्रवाल शर्मा आपको बता रही हैं कि किन-किन सब्जियों में प्यूरीन की मात्रा अधिक होती है।

प्यूरीन और यूरिक एसिड के बीच क्या संबंध?

सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि प्यूरीन और यूरिक एसिड के बीच क्या संबंध है। वास्तव में प्यूरीन अपने आप में कोई समस्या नहीं है। यह समस्या तब बनती है, जब शरीर इसे तोड़ता है और यह यूरिक एसिड बन जाता है। अधिकतर मामलों में यूरिक एसिड खून में घुल जाता है और आपकी किडनियां इसे छानकर पेशाब के रास्ते बाहर निकाल देती हैं। मगर अगर आपके खून में बहुत अधिक यूरिक एसिड है या आपकी ऐसी स्थिति है जिससे आपकी किडनी के लिए यूरिक एसिड को प्रभावी ढंग से निकालना अधिक कठिन हो जाता है, तो इससे यूरिक एसिड क्रिस्टल यानी छोटी-छोटी पथरी का रूप ले लेते हैं जिससे गाउट या किडनी की पथरी होने का खतरा होता है।

इन सब्जियों में सबसे ज्यादा प्यूरीन

- मशरूम, हरी मटर, पालक, शतावरी, ब्रोकोली स्प्राउट्स और फूलगोभी ऐसी सब्जियां हैं जिनमें सबसे अधिक मात्रा में प्यूरीन होता है। आपको इन सब्जियों को प्रति दिन कुल 1/2 कप से अधिक नहीं खाना चाहिए।

गाउट और पथरी होने का खतरा

जब यूरिक एसिड क्रिस्टल बन जाता है, तो यह जाकर जोड़ो में जमा हो जाता है। ऐसा माना जाता है कि यूरिक एसिड के क्रिस्टल अधिकतर हाथ और पैरों के जोड़ों में इकट्ठा हो जाते हैं। ऐसा होने से गाउट रोग हो जाता है। यह गठिया की तरह एक दर्दनाक जोड़ों का रोग है जिसमें जोड़ों का लाल होना, दर्द, सूजन, अकड़न, जकड़न होने लगती है। ठीक इसी तरह इससे आपको किडनी में पथरी होने का भी खतरा होता है।

सब्जियों के अलावा इन चीजों में पाया जाता है ज्यादा प्यूरीन

- सभी तरह के लाल मांस
- चिकन
- ऑर्गन मीट
- कई तरह की मछलियां जैसे- सार्डिन, एन्कोविस, हेरिंग, मैकरेल, ट्राउट और टूना

यूरिक एसिड कम करने के उपाय

- हाई प्यूरीन फूड्स का कम सेवन करने के अलावा आपको रोजाना 8 से 12 कप तरल पदार्थ पीने चाहिए
- यह आपके पेशाब में यूरिक एसिड को पतला करता है और किडनी की पथरी को रोकने में मदद कर सकता है
- पानी, हर्बल, नारियल पानी, छाछ आदि अच्छे ऑप्शन हैं
- बीयर और अन्य मादक पेय पदार्थों से बचें
- खाने में फैट की मात्रा कम करें।
- हाई फरुक्टोज कॉर्न सिरप या शुगर से बनी ड्रिंक्स पीने से बचें
- वजन कम करने पर ध्यान दें
- हमेशा कम और दिन में कई बार खाएं

‘मेरा हाथ पकड़ा और गलत तरीके से छुआ’

डेजी शाह का साउथ फिल्ममेकर को लेकर बड़ा खुलासा; कहा- कास्टिंग के नाम पर... अभिनेत्री डेजी शाह ने अपने साथ हुई उत्पीड़न की एक घटना के बारे में बताया। कैसे साउथ के एक फिल्ममेकर ने उनके साथ की ऐसी हरकत? जानिए एक्ट्रेस ने क्या कुछ बताया...सलमान खान के साथ अपनी शुरुआत करने वाली अभिनेत्री डेजी शाह लंबे वक्त से बड़े पर्दे से दूर हैं। हाल ही में डेजी शाह ने इंडस्ट्री में अपने संघर्षों के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने खुलासा किया कि करियर के शुरुआती दिनों में उन्हें उत्पीड़न का भी सामना करना पड़ा था। उन्होंने याद किया कि जब वह एक संभावित कास्टिंग अवसर के लिए दक्षिण के एक फिल्म निर्माता से मिलने गई थीं; लेकिन वह मुलाकात उनके लिए एक असहज अनुभव में बदल गई।

वो हमसे अकेले में मिला था

फ्री प्रेस जर्नल से बात करते हुए डेजी शाह ने अपने साथ हुए एक घटनाक्रम के बारे में बताया। एक्ट्रेस ने कहा कि दक्षिण के एक फिल्म निर्माता ने मुझे गलत तरीके से छुआ। वह कास्टिंग के लिए मुंबई आए थे। हम 6-7 लड़कियां उनसे मिलने गई थीं। वह हममें से हर एक से अलग-अलग मिल रहे थे। लेकिन मुझे यह पसंद नहीं अया क्योंकि वह मेरा हाथ पकड़े हुए थे। मुझे हमेशा से ही लोगों के छूने से डर लगता रहा है। मैं मसाज इसलिए नहीं करवाती क्योंकि मुझे छूना पसंद नहीं है, चाहे कोई महिला ही क्यों न छुए। किसी पुरुष का छूना तो बिल्कुल अलग बात है। बस इसी बात ने मुझे असहज कर दिया। मैंने उनसे कहा, ‘मैं आपसे कॉन्टैक्ट करूंगी’, लेकिन मैंने उन्हें कभी जवाब नहीं दिया।

‘मामला लीगल है’ के नए सीजन में निकुंज के निजी रिश्तों के कई पहलू

अभिनेता अमित विक्रम पांडेय इन दिनों वेब सीरीज ‘मामला लीगल है सीजन 2’ को लेकर सुर्खियों में हैं। अभिनेता ने हाल ही में खास बातचीत में उनके किरदार में हुए बदलावों के बारे में बात की। अभिनेता ने कहा कि पहले सीजन से लेकर दूसरे सीजन तक उनके किरदार में काफी बदलाव आए हैं।

उन्होंने कहा, ‘पहले सीजन से दूसरे सीजन तक आते-आते मेरे किरदार में काफी बदलाव आया। पहले सीजन में मेरे किरदार का परिचय सिर्फ एक ‘लॉ इंटर्न’ के तौर पर दिया गया था, लेकिन दूसरे में, उसके कई नए पहलू सामने आए। लोगों को मेरे किरदार ‘निकुंज’ की असलियत पता चली।’ अभिनेता ने आगे बताया कि सीरीज में उन्हें पुरुषों के उत्पीड़न से जुड़े केस पर काम करने का मौका मिला था। साथ ही मेरे निजी रिश्तों के बारे में भी कई बातें सामने आईं।

उन्होंने कहा, ‘इन सभी मुद्दों पर काम करना मेरे लिए काफी दिलचस्प था। पहले सीजन में भी निकुंज कई जगहों पर थोड़ा उलझन में दिखता है, लेकिन वह हर काम पूरी ईमानदारी से करने की कोशिश करता है। उन्होंने कहा, ‘पहले सीजन में वह नियमों को थोड़ा तोड़-मरोड़कर काम करता है, लेकिन हमेशा किताबों में लिखे नियमों के अनुसार चलता है। इसलिए उसके नाम में भी ‘लॉ’ (कानून) शब्द है। वह हमेशा कानून के दायरे में रहकर काम करना चाहता है। अभिनेता ने कहा, ‘दूसरे सीजन में कुछ ऐसी स्थितियां आती हैं, जहां कानूनी किताबें कोई मदद नहीं करती। यह किरदार एक आम इंसान की तरह है। वह डरता भी है, खुश भी होता है और अपने आस-पास के लोगों के साथ शरारतें भी करता है। ये सारी बातें दर्शकों को अपने जीवन से जुड़ी हुई लगती हैं। 'मामला लीगल है' के सीजन 2 में रवि किशन, निधि बिष्ट और अंजुम बत्रा मुख्य भूमिकाओं में हैं।

अवनीत कौर ने प्लास्टिक सर्जरी की अफवाहों पर चुप्पी तोड़ी

एक्ट्रेस ने कहा- उम्र के साथ लुक में नेचुरल बदलाव हुआ है

एक्ट्रेस अवनीत कौर ने हाल ही में उनके लुक्स को लेकर चल रही प्लास्टिक सर्जरी और बोटॉक्स की अफवाहों पर रिएक्ट किया। उन्होंने साफ किया कि उनके लुक में बदलाव उम्र के साथ नैचुरली हुआ है। गौरतलब है कि अवनीत कौर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपनी फोटो शेयर करती रहती हैं। समय के साथ उनके लुक में आए बदलाव को लेकर सोशल मीडिया पर कुछ लोगों द्वारा बोटॉक्स या प्लास्टिक सर्जरी कराने के दावे किए जाते हैं।

बचपन और अब की फोटो की तुलना करने की सलाह दी

हाल ही में एक इंटरव्यू में अवनीत ने इन दावों को लेकर कहा कि वह ऐसे कमेंट्स पर ध्यान नहीं देतीं, लेकिन अगर लोग ऐसा सोच रहे हैं तो उन्हें अपने बचपन और वर्तमान की तस्वीरों की तुलना करनी चाहिए।

अगर बच्चे नहीं चाहिए, तो शादी क्यों? अविनाश तिवारी ने बदलती सोच पर रखी बेबाक राय

फिल्मी दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाने वाले अभिनेता अविनाश तिवारी अपनी दमदार एक्टिंग और अलग तरह के किरदारों के लिए जाने जाते हैं। वह अपनी सोच और बेबाक विचारों को लेकर भी पहचाने जाते हैं। उन्होंने शादी जैसे अहम विषय पर अपनी राय पेश की है। आईएएनएस से बात करते हुए अविनाश तिवारी ने कहा, ‘आज के दौर में शादी उतनी जरूरी नहीं है, जितनी पहले मानी जाती थी। शादी का महत्व तब ज्यादा होता है, जब कोई व्यक्ति परिवार शुरू करना चाहता है। अगर किसी का परिवार बनाने का इरादा नहीं है, तो शादी करना जरूरी नहीं है।’ उन्होंने आगे कहा, ‘’बिना शादी के भी दो लोग एक साथ रह सकते हैं और जीवनसाथी बन सकते हैं। किसी रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए शादी जरूरी नहीं है, बल्कि समझ, सम्मान और आपसी जुड़ाव ज्यादा मायने रखता है।’’ उम्र को लेकर भी अविनाश ने अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, ‘’उम्र का फैक्टर तब सामने आता है, जब कोई बच्चा पैदा करने की योजना बना रहा होता है। यही कारण है कि लोग सही समय पर शादी करने की सलाह देते हैं, ताकि शारीरिक रूप से सब कुछ ठीक रहे, लेकिन अगर कोई व्यक्ति परिवार नहीं बनाना चाहता, तो उसके लिए उम्र कोई बड़ी बाधा नहीं होती और वह अपनी जिंदगी अपने तरीके से जी सकता है।’’ अविनाश तिवारी ने कहा, ‘’समय के साथ समाज की सोच बदल रही है और मेडिकल साइंस में हुई तरक्की ने भी लोगों के नजरिए को बदला है। अब लोग शादी और उम्र को लेकर पहले जैसी सोच नहीं रखते। इसी बदलती सोच को समझाने के लिए ‘गिन्नी वेड्स सनी 2’’ जैसी फिल्मों में भी इन मुद्दों को दिखाया जा रहा है, ताकि लोग इन पर खुलकर सोच सकें।’’ अपने निजी जीवन को लेकर अविनाश ने कहा, ‘’मेरे आसपास के लोग अक्सर सोचते हैं कि वह शादी के लिए लेट कर चुके हैं, लेकिन वह इस बात को ज्यादा गंभीरता से नहीं लेते और अपनी जिंदगी अपने हिसाब से जीने में विश्वास रखते हैं।’’ अविनाश तिवारी इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म ‘गिन्नी वेड्स सनी 2’ में नजर आएंगे, जिसमें उनके साथ मेधा शंकर भी मुख्य भूमिका में होंगी।

एक्ट्रेस की मां ने उठाया सच से पर्दा

क्या कल्याणी प्रियदर्शन और मोहनलाल के बेटे प्रणव की होने वाली है शादी?

क्या साउथ की चर्चित एक्ट्रेस कल्याणी जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाली हैं। इस खबर में कितनी सच्चाई है, इस बारे में कल्याणी की मां ने सोशल मीडिया पर जानकारी साझा की है। डायरेक्टर प्रियदर्शन की बेटी कल्याणी दक्षिणी भारतीय फिल्मों का जाना-माना नाम हैं। फिल्म ‘लोका’ में उन्हें काफी सराहा गया। बीते दिनों कल्याणी और एक्टर प्रणव मोहनलाल की शादी को लेकर अफवाहें उड़ने लगीं। इस खबर पर अब कल्याणी की मां ने चुप्पी तोड़ी है।

शादी की खबरों पर कल्याणी की मां ने क्या कहा?

हाल ही में कल्याण की मां लिसी ने अपने सोशल मीडिया पर कुछ नई तस्वीरें शेयर की थीं, जिनमें वह अपने घर के मंदिर में पूजा करती हुई नजर आ रही हैं। इस पोस्ट पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा, ‘कल्याणी और प्रणव की शादी का इंतजार है।’ तो रिएक्शन में लिसी ने लिखा, ‘यह खबर झूठी है।’

बायोपिक में काम करेंगे आमिर खान

आमिर खान की अगली फिल्म को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आ रही है। ये एक बायोपिक फिल्म होगी, जिसमें आमिर एक बिजनेस टाइकून की भूमिका निभाएंगे।

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट कहे जाने वाले आमिर खान की फिल्मों का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार रहता है। आमिर आखिरी बार पिछले साल आई फिल्म ‘सितारे जमीन पर’ में नजर आए थे। अब आमिर खान की नई फिल्म को लेकर एक जानकारी सामने आ रही है। यह एक बायोपिक फिल्म होने की खबरें हैं।

अश्वनीर ग्रोवर की बायोपिक करेंगे आमिर खान

बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के अनुसार, आमिर खान ने अश्वनीर ग्रोवर की बायोपिक को मंजूरी दे दी है। बिजनेस और स्टार्टअप जगत में उनकी भूमिका की कहानी ने अभिनेता को प्रभावित किया है। आमिर ने इसे पढ़ा है और उन्हें यह बहुत पसंद आई है; इसलिए वो यह फिल्म कर रहे हैं। फिल्म अभी प्री-प्रोडक्शन स्टेज में है। अश्वनीर आज के दर्शकों के बीच बेहद लोकप्रिय हैं, इसलिए यह फिल्म उनसे काफी मिलती-जुलती है।

राहुल मोदी करेंगे फिल्म का निर्देशन

अश्वनीर ग्रोवर की कहानी उनकी किताब ‘दोगलापनः द हार्ड ट्रुथ अबाउट लाइफ एंड स्टार्ट-अप्स’ में बयां की गई है। खबरों के मुताबिक, ‘प्यार का पंचनामा’ सीरीज, ‘सोनू के टिटू की स्वीटी’ और ‘तू झूठी मैं मक्कार’ के लेखक राहुल मोदी इस फिल्म का निर्देशन और निर्माण करेंगे।

‘हां, फिर से एक्टिंग कर रही हूं’

कंगना रनौत ने की ‘क्वीन 2’ की पुष्टि; दिवंगत गायिका आशा भोसले को किया याद

अभिनेत्री कंगना रनौत ने हाल ही में साल 2014 में आई फिल्म ‘क्वीन’ के सीक्वल की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि वे दूसरे पार्ट पर काम कर रही हैं। इसके अलावा उन्होंने दिवंगत गायिका आशा भोसले को भी याद किया। विकास बहल के निर्देशन में बनी फिल्म ‘क्वीन’ (2014) ने कंगना रनौत के करियर को एक अहम मोड़ दिया। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट रही। साथ ही कंगना को इस फिल्म के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी मिला। दिलचस्प बात यह है कि वर्षों बाद कंगना और विकास इस फिल्म का दूसरा पार्ट ला रहे हैं। कंगना ने भी ‘क्वीन 2’ की पुष्टि कर दी है। कंगना रनौत ने समाचार एजेंसी के साथ एक इंटरव्यू में फिल्म के सीक्वल पर काम करने की बात कंफर्म की। हालांकि, फिल्म से अन्य जरूरी डिटेल्स के बारे में उन्होंने कुछ नहीं बताया। उनसे जब पूछा गया कि क्या उन्होंने ‘क्वीन 2’ की शूटिंग शुरू कर दी है? तो कंगना ने फिल्ममेकर विकास बहल के साथ अपने कोलैबोरेशन की बात कंफर्म करते हुए कहा, ‘विकास बहल और मैं साथ आ रहे हैं, लेकिन मैं ज्यादा कुछ नहीं बता सकती।

जानकीवन धाम शिव मंदिर प्राण प्रतिष्ठा, राजेश अग्रवाल व भावना बोहरा ने की पूजा अर्चना

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

कुंआ-बिपतरा स्थित जानकीवन धाम में आयोजित भव्य शिव मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा एवं महायज्ञ पर पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल तथा पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने मंदिर में पूजा-अर्चना कर छत्तीसगढ़ की सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर राजेश अग्रवाल व भावना बोहरा के आगमन पर भाजपा कार्यकर्ताओं व ग्रामवासियों ने उनका भव्य व आत्मीय स्वागत किया।

मंत्री अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपरा हमारी पहचान है। जानकीवन धाम जैसे पवित्र स्थल न केवल श्रद्धा के केंद्र हैं, बल्कि सामाजिक समरसता और हमारी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के प्रतीक भी हैं। ऐसे आयोजनों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। हमारी सरकार प्रदेश की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक धरोहर को सशक्त करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। आज यहाँ उपस्थित ग्रामवासियों द्वारा प्राप्त स्नेह के लिए मैं आभार व्यक्त करता हूँ। यह मंदिर आने वाले समय में हमारे छत्तीसगढ़ के एक प्रमुख धार्मिक स्थल के साथ ही युवा पीढ़ी के लिए हमारी सांस्कृतिक विरासत के रूप में स्थापित होगा।

भावना बोहरा ने कहा कि जानकीवन धाम का यह आयोजन हमारी सनातन संस्कृति की गहराई और समाज की एकजुटता का उदाहरण है। इस भव्य आयोजन के लिए जानकीवन समिति एवं समस्त ग्रामवासियों को हार्दिक बधाई। क्षेत्र के विकास, संस्कृति के संरक्षण और जनता की सेवा के लिए हम सदैव प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि आज कुंआ-बिपतरा स्थित जानकीवन धाम में आयोजित विशाल शिव मंदिर प्राण प्रतिष्ठा एवं महायज्ञ के पावन अवसर पर सम्मिलित होना मेरे लिए अत्यंत सौभाग्य की बात है। ऐसे पवित्र आयोजन न केवल हमारी आस्था को और सुदृढ़ करते हैं, बल्कि समाज में आध्यात्मिक चेतना, सांस्कृतिक गौरव और एकता की भावना को भी मजबूत करते हैं। सनातन संस्कृति हमारी पहचान है, हमारी परंपराओं की आत्मा है। यह आयोजन हमारे धार्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण व संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

भावना बोहरा ने कहा कि इस प्रकार के भव्य धार्मिक आयोजनों के माध्यम से युवा पीढ़ी को अपनी परंपराओं, संस्कारों और सनातन संस्कृति की गहराई से जुड़ने का अवसर मिलता है। मैं इस भव्य आयोजन के सफल आयोजन हेतु आयोजक समिति, श्रद्धालुओं और समस्त ग्रामवासियों को हृदय से बधाई एवं शुभकामनाएं देती हूँ। ऐसे आयोजन हमारी संस्कृति, एकता और आस्था की शक्ति को और भी प्रबल करते हैं।

खास खबर

डॉ. रमन सिंह ने जनगणना 2027 के लिए ऑनलाईन स्व-गणना पोर्टल पर भरी अपनी जानकारी

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने जनगणना 2027 के लिए स्व-गणना पोर्टल पर अपना फॉर्म भरकर डिजिटल जनगणना प्रक्रिया को बढ़ावा देने का संदेश दिया। उन्होंने अपने आवास से ऑनलाइन माध्यम से मकान-सूचीकरण से संबंधित सभी विवरण दर्ज किए और जनता से अपील की कि वे भी निर्धारित अवधि के भीतर स्व-गणना कर अपनी जिम्मेदारी निभाएँ। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सिंह ने कहा कि जनगणना भविष्य की प्रशासनिक योजनाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि सटीक डेटा से शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़कों, मूलभूत सुविधाओं और विकास कार्यक्रमों के लिए मजबूत नीतियाँ तैयार की जा सकती हैं। उन्होंने इसे नागरिकों का सहभागी दायित्व बताया और कहा कि स्व-गणना में लोगों की बढ़ती भागीदारी जिला एवं राज्य को अधिक सक्षम बनाएगी।

राज्य में स्व-गणना 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक की जा रही है। इस अवधि में नागरिक se.census.gov.in पोर्टल पर एसई आईडी के माध्यम से अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं। यह प्रक्रिया पूणर्तः ऐच्छिक है, परंतु सरल, तेज और गोपनीयता-सुरक्षित है। जो नागरिक स्व-गणना नहीं कर पाते, उनके लिए 1 मई से 30 मई 2026 तक प्रगणक घर-घर जाकर मकान-सूचीकरण एवं मकानों की गणना करेंगे। इस दौरान घर की संरचना, उपलब्ध सुविधाएँ और आवश्यक विवरण एकत्र किए जाएँगे। जनगणना अधिनियम 1948 के अनुसार सभी आंकड़े पूरी तरह गोपनीय रखे जाते हैं तथा इन्हें किसी भी अन्य उद्देश्य के लिए उपयोग नहीं किया जाता। जानकारी केवल सांख्यिकीय विश्लेषण और विकास योजनाओं के निर्माण में प्रयुक्त होती है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने नागरिकों से अपील की कि वे 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 के बीच स्व-गणना फॉर्म भरें और जनगणना 2027 में अपनी सक्रिय भागीदारी दर्ज करें।

महतारी वंदन योजना के हितग्राहियों का ऑनलाइन ई-केवाईसी सत्यापन कार्य जारी

राजनांदगांव। शासन के निर्देशानुसार जिले में महतारी वंदन योजना के हितग्राहियों का ऑनलाइन ई-केवाईसी सत्यापन कार्य निरंतर जारी है। जिले में प्रतिदिन हजारों हितग्राहियों का सत्यापन किया जा रहा है। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्रीमती गुरप्रीत कौर ने बताया कि जिले में लगभग 2 लाख 41 हजार हितग्राहियों का ई-केवाईसी सत्यापन किया जाना है। अब तक लगभग 80 हजार से अधिक हितग्राहियों का सत्यापन पूर्ण किया जा चुका है, जबकि शेष लगभग 1 लाख 60 हजार हितग्राहियों का सत्यापन निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कर किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि ई-केवाईसी सत्यापन की अंतिम तिथि पहले 30 जून निर्धारित थी, जिसे बढ़ाकर अब 30 जुलाई 2026 कर दिया गया है, ताकि सभी पात्र हितग्राही आसानी से अपना सत्यापन करा सकें। सत्यापन अवधि के दौरान भी योजना के पात्र हितग्राहियों के खातों में राशि का अंतरण पूर्ववत जारी रहेगा। ई-केवाईसी प्रक्रिया के सुचारू संचालन के लिए जिले में ऑपरेटर्स (वीएलई) की नियुक्ति की गई है। जिन क्षेत्रों में अभी ऑपरेटर उपलब्ध नहीं हैं, वहां भी चरणबद्ध तरीके से नियुक्ति की जा रही है। जिससे शहरी एवं ग्रामीण सभी क्षेत्रों के हितग्राहियों को सुविधा मिल सके। हितग्राहियों से 30 जुलाई 2026 के पूर्व अपने निकटतम शिविर स्थल पर पहुंचकर अनिवार्य रूप से ई-केवाईसी सत्यापन पूर्ण कराने की अपील की गई है।

पंडरिया 57 करोड़ की लागत से बनेंगी 27 सड़कें, सीएम साय ने किया वर्चुअल भूमिपूजन

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

पंडरिया विधानसभा के वनांचल क्षेत्रों में निवासरत आदिवासी परिवारों के सुगम आवागमन एवं उन्हें विकास की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए डबल इंजन भाजपा सरकार में निरंतर विकास कार्य किये जा रहे हैं। इसी कड़ी में शुक्रवार को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जशपुर से प्रदेश के विभिन्न विधानसभाओं में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत सड़क निर्माण का वर्चुअल भूमिपूजन किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पंडरिया विधानसभा अंतर्गत वनांचल क्षेत्रों में 57 करोड़ 93 लाख 32 हजार रुपए की लागत से 57.415 किलोमीटर लम्बाई के कुल 27 बहुप्रतीक्षित सड़क निर्माण कार्यो का भूमिपूजन किया।

पंडरिया विधानसभा के वनांचल क्षेत्रों में इन सड़क निर्माण के भूमिपूजन के लिए विधायक भावना बोहरा ने प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए क्षेत्रवासियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि आज डबल इंजन भाजपा सरकार में पंडरिया विधानसभा सहित पूरे प्रदेश के वनांचल व आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में विकास उनके जन-जन के घर तक पहुँच रही है। आज मुख्यमंत्री द्वारा जिन सड़कों का भूमिपूजन किया गया है वह सड़कें पंडरिया के दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों को मुख्य मार्गो से जोड़ने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। वर्षो से बुनियादी सुविधाओं से वंचित इन क्षेत्रों में अब बेहतर सड़क संपर्क स्थापित होने से ग्रामीणों को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बाजार तक सहज पहुंच मिल सकेगी।

भेलकी मुख्य मार्ग से चुलटोला वाया बदनाटोला मार्ग, बोहिल रोड से झुमर, अमनिया बरटोला रोड से ढोलढोली डोकरीघखटिया, दमगढ़ से लुढूटोला, कांदावानी से डेंगुरजाम अमनिया, बिरहुलडीह से करालू, बिरहुलडीह से लिफड़ी, जखना रोड से धोबे, पेन्ड्रा से पावले, छिन्दीडीह से टिकराटोला, महीडबरा से नवापारा, देवानपटपर से चिखलापानी, केसमरदा रोड से गाडासरई, दमगढ़ से महुवापानी, भैंसाडबरा से भंदराटोला, बोहिल से फिफलीपानी, देवसरा रोड से पंडरीपथरा, बांगर रोड से एरुंगटोला, बांगर मेनरोड से कोटनापानी (टोलापारा), बदना रोड से कारीधाप, दमगढ़ मेनरोड लुढूटोला से चारभाठा, डालामौहा से पीपरकछार, सोमनापुर से मोतेसरा, भटरूसे से पथर्री कंझेटी, बांगर रोड से धारटोला, भेड़ागढ़ से भेड़ागढ़बैगापारा और पैलपार से गोरखपुरखुर्द सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया।

दिव्यांग बच्चों और वृद्धजनों को सहायक उपकरण वितरित

राजनांदगांव। कलेक्टर जितेन्द्र यादव आज सीआरसी ठाकुरटोला में आयोजित पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित शिशुवती माताओं एवं अभिभावकों को बच्चों के समग्र विकास के लिए सही एवं संतुलित पोषण आहार देने के लिए प्रेरित किया। कलेक्टर ने कहा कि बच्चों के जन्म के पश्चात प्रारंभिक दो वर्ष अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं, क्योंकि इस अवधि में मस्तिष्क का तीव्र विकास होता है। इसलिए बच्चों के पोषण पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। उन्होंने बच्चों को घर पर तिरंगा पौष्टिक भोजन देने के साथ ही आंगनबाड़ी केन्द्रों से मिलने वाले रेडी-टू-ईट आहार के उपयोग करने कहा। साथ ही संतुलित आहार, पर्याप्त प्रोटीन, स्वस्थ खान-पान एवं बच्चों का स्क्रीन टाइम कम करने की सलाह दी।

कलेक्टर ने विद्याथिर्यो एवं लाभाथिर्यो से संवाद कर उन्हें करियर मार्गदर्शन भी प्रदान किया। उन्होंने सीआरसी ठाकुरटोला के विभिन्न सेवा इकाइयों एवं ओपीडी का निरीक्षण कर विशेषज्ञों एवं लाभाथिर्यो से चर्चा की तथा बच्चों के स्वास्थ्य एवं विकास की प्रगति की जानकारी ली। कार्यक्रम में पद्मश्री पुखराज बाफना ने स्तनपान कराने वाली माताओं के पोषण संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। पोषण पखवाड़ा अंतर्गत अभिभावकों एवं गर्भवती महिलाओं को पोषण के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संतुलित आहार, मातृ स्वास्थ्य एवं बाल पोषण पर विस्तृत जानकारी दी गई। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत चिकित्सकों की टीम द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक दवाइयों का वितरण किया गया।

अवैध रेत खनन : आरंग में 4 पोकलेन मशीनें जब्त

नई दृष्टिबिंदु / आरंग

शिकायतों की गर्मी आखिरकार कार्रवाई में बदल ही गई। शनिवार तड़के खनिज विभाग की टीम ने आरंग क्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन के खिलाफ जोरदार छापेमार अभियान चलाते हुए 4 चैन माउंटेन (पोकलेन) मशीनों को जब्त कर दिया। कार्रवाई में ग्राम चिखली रेत खदान से 2 और कुरूद खदान से 2 मशीनें पकड़ी गईं—वो भी ऐसे वक्त में, जब खनन पर आधिकारिक तौर पर रात का पहरा होना चाहिए था।

मौके पर जांच में साफ हुआ कि खनन न सिर्फ स्वीकृत सीमा के बाहर हो रहा था, बल्कि प्रतिबंधित रात्रिकालीन समय में भी धड़ल्ले से जारी था। यानी नियम किताबों में और मशीनें जमीन पर—अपनी-अपनी राह पर चल रही थीं। प्रशासन ने तुरंत एक्शन लेते हुए सभी मशीनों को सीलबंद कर अवैध उत्खनन पर रोक लगा दी।

सीमांकन फिर होगा, खेल की सीमा तय होगी

खनिज विभाग ने संकेत दिए हैं कि खदानों का दोबारा सीमांकन कराया जाएगा, ताकि कहां तक वैध और कहां से अवैध—इस पर कोई बहाना न बचे। संबंधित पट्टेदारों और जुड़े लोगों पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की तैयारी भी शुरू हो गई है।

शिकायतें बनीं कार्रवाई की वजह

इस पूरे मामले की जड़ में वे शिकायतें रहीं, जिनमें पूर्व जिला पंचायत सदस्य और आप नेता परमानंद जांगड़े ने रात्रिकालीन खनन, सीमा से बाहर उत्खनन, अवैध वसूली और बिना रॉयल्टी रेत भंडारण जैसे गंभीर आरोप लगाए थे। जांच में कई बिंदु सही पाए जाने के बाद ही विभाग हरकत में आया।

बॉक्स अब नहीं चलेगा अवैध खेल

खनिज अधिकारी राजेश मालवे ने साफ शब्दों में कहा कि जिले में अवैध उत्खनन को लेकर जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई जाएगी। नियमित निरीक्षण और कड़ी निगरानी के जरिए ऐसे मामलों पर लगाम कसने की बात कही गई है।

रेत खदानों में लंबे समय से चल रहे रात के खेल पर यह कार्रवाई फिलहाल भारी पड़ती दिख रही है। लेकिन असली सवाल यही है—क्या यह सख्ती लगातार बनी रहेगी या फिर कुछ दिनों बाद मशीनें फिर से अपनी रफ्तार पकड़ लेंगी? फिलहाल, आरंग में प्रशासन ने साफ संदेश दे दिया है—नियम तोड़ोगे, तो मशीनें नहीं, पूरी व्यवस्था ही जब्त हो जाएगी।

फलों को रसायनों से पकाने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई : जिला खाद्य अधिकारी की चेतावनी

नई गंज मंडी और गोल बाजार में बढ़ेगी निगरानी ; कैल्शियम कार्बाइड का उपयोग मिलने पर दर्ज होगा मामला

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

जिला खाद्य अधिकारी तरुण बिरला ने नई दृष्टिबिंदु से खास बातचीत में आम जनता के स्वास्थ्य की सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए फल विक्रेताओं और थोक व्यापारियों को कड़ा अल्टीमेटम जारी किया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि जन स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी कारोबारी को बख्शा नहीं जाएगा। विशेष रूप से नई गंज मंडी और गोल बाजार जैसे प्रमुख व्यापारिक केंद्रों पर विभाग की पैनी नजर रहेगी।

कैल्शियम कार्बाइड पर पूर्ण प्रतिबंध

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण के दिशा-निर्देशों का हवाला देते हुए खाद्य अधिकारी ने बताया कि फलों (विशेषकर आम, केला और पपीता) को पकाने के लिए कैल्शियम कार्बाइड का उपयोग पूरी तरह प्रतिबंधित है।

स्वास्थ्य जोखिमः यह रसायन उल्टी, गले में जलन और त्वचा के अल्सर जैसी गंभीर बीमारियों का कारण बन सकता है।

सख्त नियमः यदि किसी गोदाम या फल के बक्से के पास भी यह पदार्थ पाया जाता है, तो उसे दोष का पर्याप्त प्रमाण मानकर तत्काल कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

प्रशासन ने मिलावटखोरी और कृत्रिम रूप से फल पकाने की प्रक्रिया को रोकने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए हैं: निरीक्षण में तेजीः मंडियों, कोल्ड स्टोरेज और वितरण केंद्रों पर औचक निरीक्षण बढ़ाया जाएगा।

एथेफोन पर नजरः हालांकि एथेफोन का उपयोग नियंत्रित मात्रा में अनुमत है, लेकिन इसके अनियमित और अत्यधिक इस्तेमाल पर भी खाद्य विभाग की टीम निगरानी रखेगी।

विशेष अभियानः अवैध रंगों और वैक्स (मोम) के इस्तेमाल को रोकने के लिए विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया जाएगा।

> **"व्यापार लाभ के लिए लोगों की सेहत से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हमारी टीमें फील्ड पर सक्रिय हैं और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी प्रक्रिया अपनाई जाएगी।"**
> **तरुण बिरला, जिला खाद्य अधिकारी**

उपभोक्ताओं के लिए जरूरी सलाह

खाद्य विभाग ने नागरिकों से भी सतर्क रहने की अपील की है। उपभोक्ताओं को सलाह दी गई है कि वे अत्यधिक चमकदार और अप्राकृतिक रूप से एक समान रंग वाले फल खरीदने से बचें। फलों को उपयोग करने से पहले अच्छी तरह धो लें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि या कृत्रिम रूप से फल पकाए जाने की सूचना तुरंत संबंधित विभाग को दें।

औद्योगिक प्रतिष्ठान व पावर प्लांट सुरक्षा के मानकों का कड़ाई से पालन करें : कलेक्टर

कलेक्टर ने सक्ती जिले के ग्राम सिंघीतराई स्थित पावर प्लांट में हुए हादसे के मद्देनजर जिले के सभी औद्योगिक प्रतिष्ठानों एवं पावर प्लांट की बैठक ली

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में सक्ती जिले के ग्राम सिंघीतराई स्थित पावर प्लांट में हुए हादसे के मद्देनजर जिले के सभी औद्योगिक प्रतिष्ठानों की बैठक ली। कलेक्टर ने कहा कि सभी औद्योगिक प्रतिष्ठान एवं पावर प्लांट सुरक्षा के मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि औद्योगिक प्रतिष्ठानों में श्रमिकों की सुरक्षा के लिए मापदण्डों के अनुरूप सभी आवश्यक उपकरण एवं मशीन की व्यवस्था होनी चाहिए। भविष्य में ऐसे हादसे एवं दुर्घटना न हो इसके के लिए सभी औद्योगिक प्रतिष्ठान आवश्यक सावधानी एवं सुरक्षा की पर्याप्त व्यवस्था रखेंगे।

उन्होंने कहा कि निरीक्षण के दौरान विभिन्न औद्योगिक प्रतिष्ठानों एवं पावर प्लांट में कमियां पाई गई है, जिन्हें एक सप्ताह में प्राथमिकता से ठीक करें। उन्होंने अग्निशामक यंत्र, फायर अलार्म, मशीनों का उचित संचालन, उपकरण, रखरखाव, बायलर, सीसीटीवी कैमरा, सुरक्षा मापदण्ड, कचरा प्रबंधन के लिए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी औद्योगिक प्रतिष्ठानों एवं पावर प्लांट में तकनीकी प्रक्रियाओं एवं कार्यो का सतत निरीक्षण होना चाहिए। वायु प्रदूषण से संबंधित उद्योगों में प्रदूषण नियंत्रण के लिए एएसपी अंतर्गत, डस्ट संग्रहण, बैग फिल्टर, बैग हाऊस, वेट स्क्रबर, उद्योगों में संभावित प्रदूषण के दृष्टिगत जल छिड़काव व्यवस्था होनी चाहिए। जल प्रदूषणकारी उद्योगों में जल प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए ईटीपी, न्यूट्रालाईजेशन पिट, सेटलिंग टैंक होना चाहिए।

कलेक्टर ने कहा कि सभी औद्योगिक प्रतिष्ठानों में जल संरक्षण के लिए वाटर स्ट्रक्चर का निर्माण कराएं। उन्होंने कहा कि जिले में जल संरक्षण के लिए चलाए जा रहे मिशन जल रक्षा अंतर्गत जल के संरक्षण के लिए विभिन्न तरह के रिचार्ज स्ट्रक्चर बनाए जा रहे हैं। उन्होंने सभी औद्योगिक प्रतिष्ठानों को 15 मई तक वाटर रिचार्ज स्ट्रक्चर, रैन वाटर हारवेस्टिंग स्ट्रक्चर का निर्माण करने के निर्देश दिए। पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के दृष्टिगत पौधरोपण के लिए निर्देश दिए। इस दौरान प्रजेंटेशन के माध्यम से इंजेक्शन वेल, बोरवेल रिचार्ज, रिचार्ज किट एवं रिचार्ज साफ्ट, उद्योगों में पानी का पुनः उपयोग, स्लम वाटर ड्रेनेज प्रबंधन, परकोलेशन टैंक रिचार्ज, मिनी परकोलेशन टैंक एवं वाटर स्ट्रक्चर के संबंध में जानकारी दी गई। अग्निशामक यंत्रों के विभिन्न प्रकार एवं सुरक्षा के विभिन्न उपायों के संबंध में बताया गया। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह, अपर कलेक्टर सीएल मारकण्डेय, एसडीएम डोंगरगढ़ एम भार्गव, महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र सानू वी वर्गीस सहित औद्योगिक प्रतिष्ठानों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

कार्यालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, जिला-दुर्ग, छ.ग.

व्यक्तिगत सूचना

रा.प्र.क्र. 202601101000060/ब-121/ वर्ष 2025-26

प्रति,

श्रीमती चन्ना सत्यवती पति स्व. सी.एच. अप्पाराव, निवासी पेनहोरा रेली वीधी ए.वी.एन. कालेज रोड विशाखा पटनम

एतद द्वारा आपको सूचित किया जाता है कि आवेदक चन्ना राजेश पिता/पति/विभाग-सी.एच. अप्पाराव पता-खुर्सीपार द्वारा आवेदक के पिता जोकि नगर पालिक निगम भिलाई में सफाई कर्मचारी के पद पर कार्यरत थे की मृत्यु हो जाने के कारण आश्रित प्रमाण पत्र हेतु न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः आपको इस संबंध में यदि कोई आपत्ति एवं दावा उजर पेश करना हो तो पेशी दिनांक 04.05.2026 तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति दावा या उजर प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद में प्राप्त आपत्ति आवेदन पर कोई कार्यवाही नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 06.04.2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा से प्रकाशन हेतु जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

विस अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से आत्मीय मुलाकात

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-भिलाई

रायपुर स्थित निवास में आत्मीयता, सम्मान और वर्षों पुराने रिश्तों की गर्माहट से भरी एक विशेष मुलाकात देखने को मिली, जब आलोक तिवारी के परिवार ने पूर्व मुख्यमंत्री एवं छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह से सौजन्य भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। यह मुलाकात केवल औपचारिक नहीं थी, बल्कि करीब 30 वर्षों से चले आ रहे गहरे पारिवारिक संबंधों की मधुरता और विश्वास का प्रतीक भी रही।

इस अवसर पर श्रीमती हेमलता तिवारी एवं पुत्र अद्वितीय तिवारी ने डॉ. सिंह के सफल सर्जरी के बाद उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की। परिवार की ओर से उनके शीघ्र पूर्ण स्वस्थ होने की प्राथर्ना भी व्यक्त की गई। मुलाकात के दौरान पारिवारिक आत्मीयता साफ झलक रही थी, जहां पुराने संबंधों की स्मृतियों और स्नेह ने वातावरण को और भी भावुक बना दिया।

पुत्र अद्वितीय तिवारी ने इस दौरान 'सांध्य दैनिक नई दृष्टिबिंदु' के यूट्यूब चैनल और न्यूज पोर्टल के शुभारंभ की जानकारी भी डॉ. सिंह को दी। इस पहल को सुनकर उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की और अद्वितीय को उज्ज्वल भविष्य के लिए आशीर्वाद प्रदान करते हुए कहा कि पत्रकारिता के क्षेत्र में सकारात्मक और जिम्मेदार भूमिका निभाना आज के समय की बड़ी आवश्यकता है। मुलाकात के अंत में डॉ. रमन सिंह ने पूरे परिवार को स्नेह और आशीर्वाद दिया। यह भेंट न केवल पारिवारिक रिश्तों की मजबूती को दर्शाती है, बल्कि समाज और जनसेवा के क्षेत्र में प्रेरणा का संदेश भी देती है।

साइबर फ्रॉड गिरोह का अंतरराज्यीय मास्टरमाइंड गिरफ्तार

पुराने सिक्के व नोट के बदले 37 लाख रुपये देने का झांसा देकर की 11,70,000 रुपये की ठगी

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

साइबर फ्राड गिरोह का अंतरराज्यीय मास्टर माइंड को हरियाणा से किया गया गिरफ्तार। घटना इस प्रकार है की प्रार्थी नेताराम देवांगन, उम्र 39 वर्ष, निवासी पद्मावतीपुर, थाना छुईखदान द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई, कि उसके मोबाइल पर व्हाट्सएप के माध्यम से विभिन्न नंबरों से संदेश प्राप्त हुए, जिनमें पुराने सिक्के एवं नोट के बदले लाखों रुपये मिलने का प्रलोभन दिया गया।। प्रार्थी ने लालच में आकर 5 का पुराना नोट भेजा, जिसके बदले उसे 37,94,000 देने का झांसा दिया गया। इसके बाद प्रोसेसिंग फीस, कस्टम फीस आदि के नाम पर अलग-अलग बैंक खातों में पैसे ट्रांसफर करवाए गए। साथ ही नकद भेजने एवं पुलिस द्वारा पकड़े जाने का भय दिखाकर और पैसे वसूले गए।

इस प्रकार आरोपी द्वारा कुल 11,70,000 की धोखाधड़ी की गई। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना छुईखदान में अपराध क्रमांक 122/2026 धाराः 318(4), 336, 338, 340 भा.दं.सं. एवं 66ऊआईटी एक्ट कायम कर विवेचना में लिया गया। रिपोर्ट के आधार पर अपराध दर्ज कर जांच प्रारंभ की गई। जांच में लगभग 20 बैंक खातों एवं 30-40 फर्जी सिम कार्ड का उपयोग पाया गया। तकनीकी विश्लेषण से आरोपी का लोकेशन हरियाणा राज्य के नूंह जिले में पाया गया।

साइबर सेल एवं छुईखदान पुलिस की कार्रवाई, फेसबुक एवं व्हाट्सएप के माध्यम से लोगों को "ओल्ड कॉइन/नोट" के बदले लाखों रुपये मिलने का लालच देकर ऑनलाइन ठगी

पुलिस टीम द्वारा हरियाणा जाकर स्थानीय पुलिस की सहायता से आरोपी को गिरफ्तार किया गया।।आरोपी द्वारा पूछताछ में अपराध स्वीकार किया गया। घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन छिपाकर रखा गया था, जिसे बरामद किया गया।

ठगी करने का तरीका

सोशल मीडिया (फेसबुक, व्हाट्सएप) पर विज्ञापन देकर लोगों को फंसाना। रजिस्ट्रेशन फीस, प्रोसेसिंग फीस आदि के नाम पर पैसे लेना। नकदी के बंडल के फर्जी वीडियो दिखाना। डिलीवरी एवं पुलिस कार्रवाई का डर दिखाकर अतिरिक्त पैसे वसूलना।

आरोपी का विवरण : मोहम्मद जाहिर शरीफ, उम्रः 19 वर्ष,निवासीः ग्राम डूंगेजा, थाना पिंगवा, जिला नूंह (हरियाणा), आरोपी के कब्जे से 09 मोबाइल फोन, 02 एटीएम कार्ड एवं 4000 नगद जब्त किया गया।

आरोपी को बुधवार 15 अप्रैल को हरियाणा से गिरफ्तार कर ट्रांजिट रिमांड पर लाया गया।। शुक्रवार 17 अप्रैल को न्यायालय में प्रस्तुत कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया।।इस संपूर्ण कार्रवाई में साइबर सेल खैरागढ़ एवं थाना छुईखदान पुलिस टीम का विशेष योगदान रहा।।

तेज रफ्तार का कहर : पुलिया से टकराई बाइक, दो की मौके पर मौत, एक गंभीर

नई दृष्टिबिंदु / मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी

मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी। जिले में लगातार बढ़ रहे सड़क हादसों के बीच बुधवार रात एक और दर्दनाक दुर्घटना ने दो परिवारों की खुशियां छीन लीं। अंबागढ़ चौकी थाना क्षेत्र के घोरदा-गौलीटोला मार्ग पर स्थित पुलिया में तेज रफ्तार मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर टकरा गई, जिससे दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया।

मिली जानकारी के अनुसार ग्राम डोंगाघाट निवासी अशोक कोमा (45), राजकुमार कोमा (40) और करण कोमा एक शादी समारोह में शामिल होने ग्राम घोरदा गए हुए थे। रात करीब 9:30 बजे लौटते समय उनकी मोटरसाइकिल घोरदा और गौलीटोला के बीच पुलिया पर अनियंत्रित होकर जोरदार टक्कर मार बैठी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और तीनों सवार सड़क पर दूर जा गिरे।

हादसे में अशोक कोमा और राजकुमार कोमा ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि करण कोमा गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों की सूचना पर पुलिस और 112 की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और घायलों को अंबागढ़ चौकी स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने दो को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल करण कोमा को प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज राजनांदगांव रेफर किया गया है।

तेज रफ्तार बन रही जानलेवा

क्षेत्र में लगातार हो रहे सड़क हादसों ने गंभीर चिंता खड़ी कर दी है। अंबागढ़ चौकी, मानपुर, मोहला और आसपास के इलाकों में तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाना आम होता जा रहा है। नशे और रफ्तार के घातक मेल ने युवाओं की जान पर संकट खड़ा कर दिया है, लेकिन इसके बावजूद सख्ती के अभाव में हालात सुधरते नजर नहीं आ रहे।

गांव में एक साथ उठीं दो अर्थियां

घटना के बाद डोंगाघाट गांव में शोक की लहर फैल गई। पोस्टमार्टम के बाद दोनों मृतकों का अंतिम संस्कार एक ही दिन किया गया। एक ही परिवार से जुड़े दो लोगों की असमय मौत ने पूरे गांव को स्तब्ध कर दिया है।

पुलिस ने शुरू की जांच

थाना प्रभारी अश्वनी राठौर के अनुसार दुर्घटना की सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंच गई थी। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार को हादसे की मुख्य वजह माना जा रहा है। मामले की विस्तृत जांच जारी है।

भगवान श्रीपरशुराम जयंती पर आज भव्य बाइक रैली

राजनांदगांव। भगवान श्रीपरशुराम जयंती के पावन अवसर पर 18 अप्रैल 2026, शनिवार को नवयुवकब्राह्मण समाज द्वारा शहर में भव्य बाइक रैली का आयोजन किया जाएगा। आयोजन को लेकर समाज में व्यापक उत्साह देखा जा रहा है और तैयारियां अंतिम चरण में हैं।

कार्यक्रम के तहत शाम 5 बजे ब्राह्मणपारा स्थित श्रीरामायण प्रचारक समिति भवन में भगवान श्रीपरशुराम जी की विधिवत पूजन-अचर्ना किया जाएगा। इसके बाद महिला एवं पुरुष एक साथ भव्य बाइक रैली में शामिल होंगे, जो शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरेगी। जिसमें युवाओं की विशेष भागीदारी रहेगी। ब्राह्मण नवयुवक मंडल ने समाज के महिला पुरुष व युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

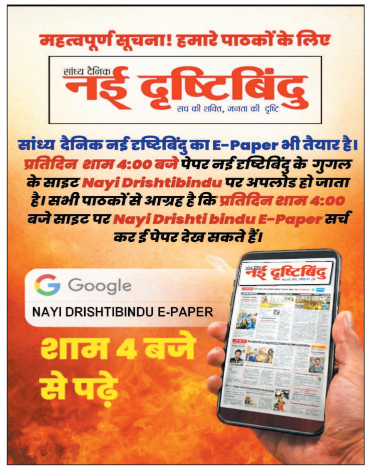

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100